

ТИПОВАЯ ДОКУМЕНТАЦИЯ
НА КОНСТРУКЦИИ, ИЗДЕЛИЯ И УЗЛЫ ЗДАНИЙ И СООРУЖЕНИЙ

СЕРИЯ 3.407.2-135

ШКАФЫ НАРУЖНОЙ УСТАНОВКИ ДЛЯ РАЗМЕЩЕНИЯ
ЭЛЕКТРОАППАРАТУРЫ УПРАВЛЕНИЯ

ШКАФ С ГАБАРИТАМИ 1900 × 1400 × 600

ВЫПУСК 3

МОСКВА 1982

ТИПОВАЯ ДОКУМЕНТАЦИЯ
НА КОНСТРУКЦИИ, ИЗДЕЛИЯ И УЗЛЫ ЗДАНИЙ И СООРУЖЕНИЙ

СЕРИЯ 3.407.2-135

ШКАФЫ НАРУЖНОЙ УСТАНОВКИ ДЛЯ РАЗМЕЩЕНИЯ
ЭЛЕКТРОАППАРАТУРЫ УПРАВЛЕНИЯ

СОСТАВ ДОКУМЕНТАЦИИ

ВЫПУСК 1 ШКАФ С ГАБАРИТАМИ 1400×800×600

ВЫПУСК 2 ШКАФ С ГАБАРИТАМИ 2400×800×600

ВЫПУСК 3 ШКАФ С ГАБАРИТАМИ 1900×1400×600

ВЫПУСК 3.

РАЗРАБОТАН
ПРОЕКТНЫМ ИНСТИТУТОМ
„СОЮЗГИПРОВОДХОЗ“
ИМ. Е.Е.АЛЕКСЕЕВСКОГО

ГЛАВНЫЙ ИНЖЕНЕР ИНСТИТУТА *А.Ф. Кондратьев*
ГЛАВНЫЙ ИНЖЕНЕР ПРОЕКТА *Ю.Т. Багрянцев*

РАБОЧАЯ ДОКУМЕНТАЦИЯ
УТВЕРЖДЕННАЯ Минводхозом СССР
ПРОТОКОЛ № 467 ОТ 18.06.82г.
ВВЕДЕН В ДЕЙСТВИЕ Союзгипроводхозом
ПРИКАЗ № 206 ОТ 10.08.83г.

СОДЕРЖАНИЕ

| Обозначение | Наименование | Стр. | Обозначение | Наименование | Стр. |
|----------------|------------------------------|------|----------------|------------------|------|
| ЩЗ. 00. 000 | Щкаф наружной уста- новки | 3 | ЩЗ. 03. 100 | Корпус | 27 |
| ЩЗ. 00. 000 СБ | Щкаф наружной уста- новки | 5 | ЩЗ. 03. 100 СБ | Корпус | 28 |
| ЩЗ. 01. 000 | Сборочный чертеж | 6 | ЩЗ. 03. 101 | Сборочный чертеж | 29 |
| ЩЗ. 01. 000 СБ | Корпус | 8 | ЩЗ. 00. 001 | Корпус | 30 |
| ЩЗ. 01. 100 | Корпус | 10 | | | |
| ЩЗ. 01. 200 | Сборочный чертеж | 10 | | | |
| ЩЗ. 01. 100 СБ | Связь | 11 | | | |
| ЩЗ. 01. 101 | Основание | 12 | | | |
| ЩЗ. 01. 200 СБ | Сборочный чертеж | 13 | | | |
| ЩЗ. 01. 001 | Крышка | 14 | | | |
| ЩЗ. 01. 002 | Днище | 15 | | | |
| ЩЗ. 01. 004 | Стенка | 16 | | | |
| ЩЗ. 01. 005 | Уголок | 16 | | | |
| ЩЗ. 02. 000 | Дверь левая | 17 | | | |
| ЩЗ. 02. 100 | Замок | 17 | | | |
| ЩЗ. 02. 000 СБ | Дверь левая | 18 | | | |
| ЩЗ. 02. 100 СБ | Сборочный чертеж | 19 | | | |
| ЩЗ. 02. 101 | Замок | 20 | | | |
| ЩЗ. 02. 200 | Сборочный чертеж | 21 | | | |
| ЩЗ. 03. 000 | Втулка | 21 | | | |
| ЩЗ. 02. 200 СБ | Корпус | 22 | | | |
| ЩЗ. 02. 201 | Дверь правая | 23 | | | |
| ЩЗ. 02. 202 | Корпус | 24 | | | |
| ЩЗ. 03. 000 СБ | Рамка | 25 | | | |
| | Дверь правая | | | | |
| | Сборочный чертеж | | | | |

Шкаф наружной установки для размещения насосного оборудования должен быть изготовлен согласно плану типового проектирования № 15/12 (раздел V, п. 149) утвержденному постановлением Госстроя СССР № 205 от 12.12.80г.

Шкаф разработан применительно к типовым проектам насосных станций на трубчатых колодцах с погружными и горизонтальными насосами, в составе которых предусмотрены шкафы индивидуального изготовления.

Ниже приводится таблица для выбора типа шкафа.

Наименование типового проекта Тип шкафа

1. "Насосные станции на трубчатых колодцах с насосами ЭЦВ. Подземные." Ш1

2. "Насосные станции на трубчатых колодцах с горизонтальными насосами производительностью до 50 м³/ч"

а). При мощности электродвигателей до 15 кВт Ш2
б). " " " " " " до 17,0 кВт. Ш3

3. "Насосные станции на трубчатых колодцах с горизонтальными насосами, производительностью от 50 до 100 м³/ч" Ш2

ШО 00. 000 II

Шкафы наружной установки

Справочный материал

Лит. Лист Листов
1 3

Составитель: В.Е. Яковлев
Г. Москва

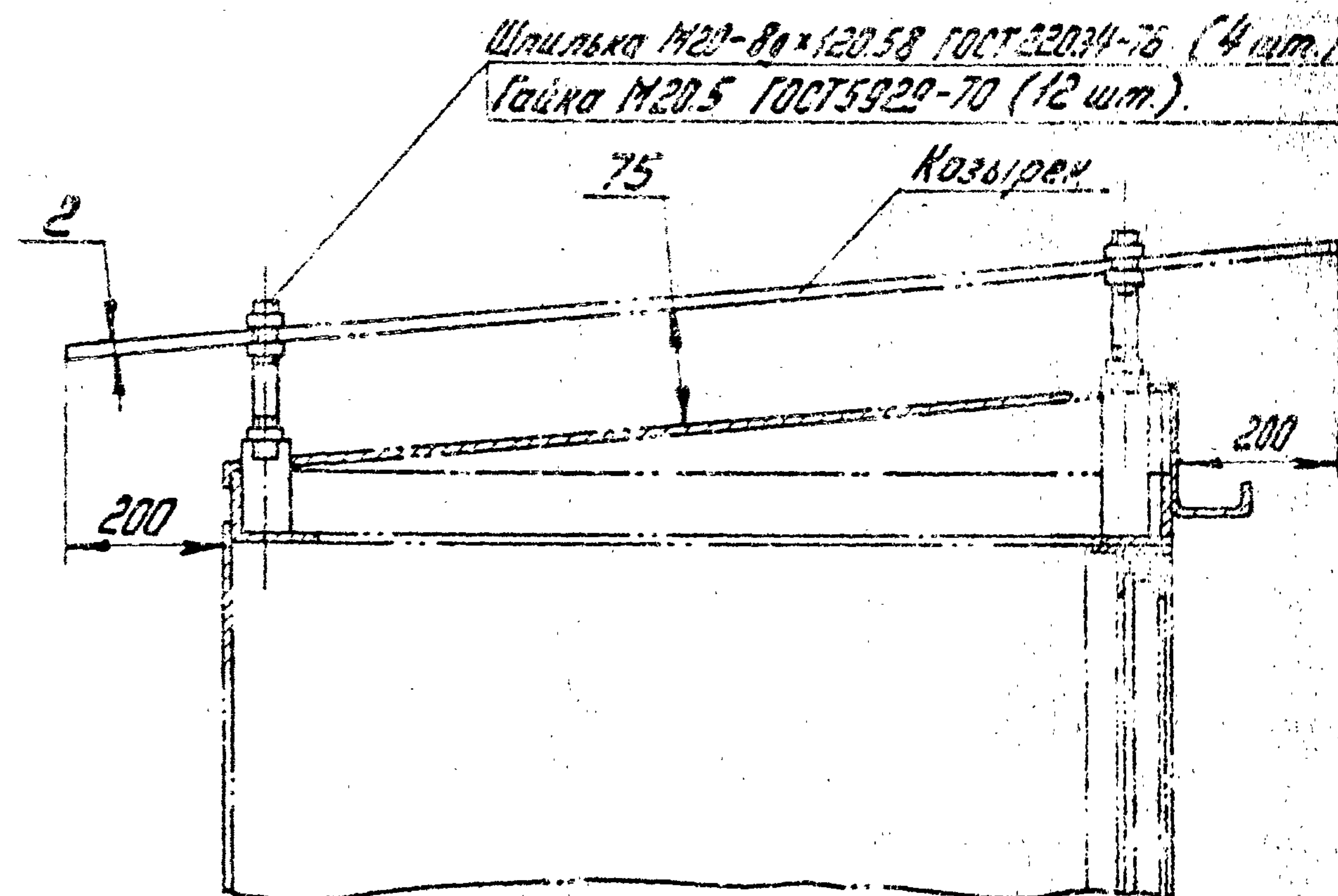
Исполнитель: В.Е. Яковлев

Формат А4

Для применения шкафов в районах с повышенной солнечной радиацией следует поставить лист над крышей на расстоянии 75 мм с помощью шпилек в места крепления рым-болтов с напуском в 200 мм на каждую сторону (см. рис. 1).

Рым-болты сохранить для демонтажа.

При установке шкафа в районах с песчаными бурями следует дополнительно предусмотреть сальниковые уплотнения вводов электрокабелей в шкаф (см. рис. 2).



Шпилька М20-80х12058 ГОСТ 22034-76 (4 шт.)
Гайка М20.5 ГОСТ 5920-70 (12 шт.)

75

Козырек

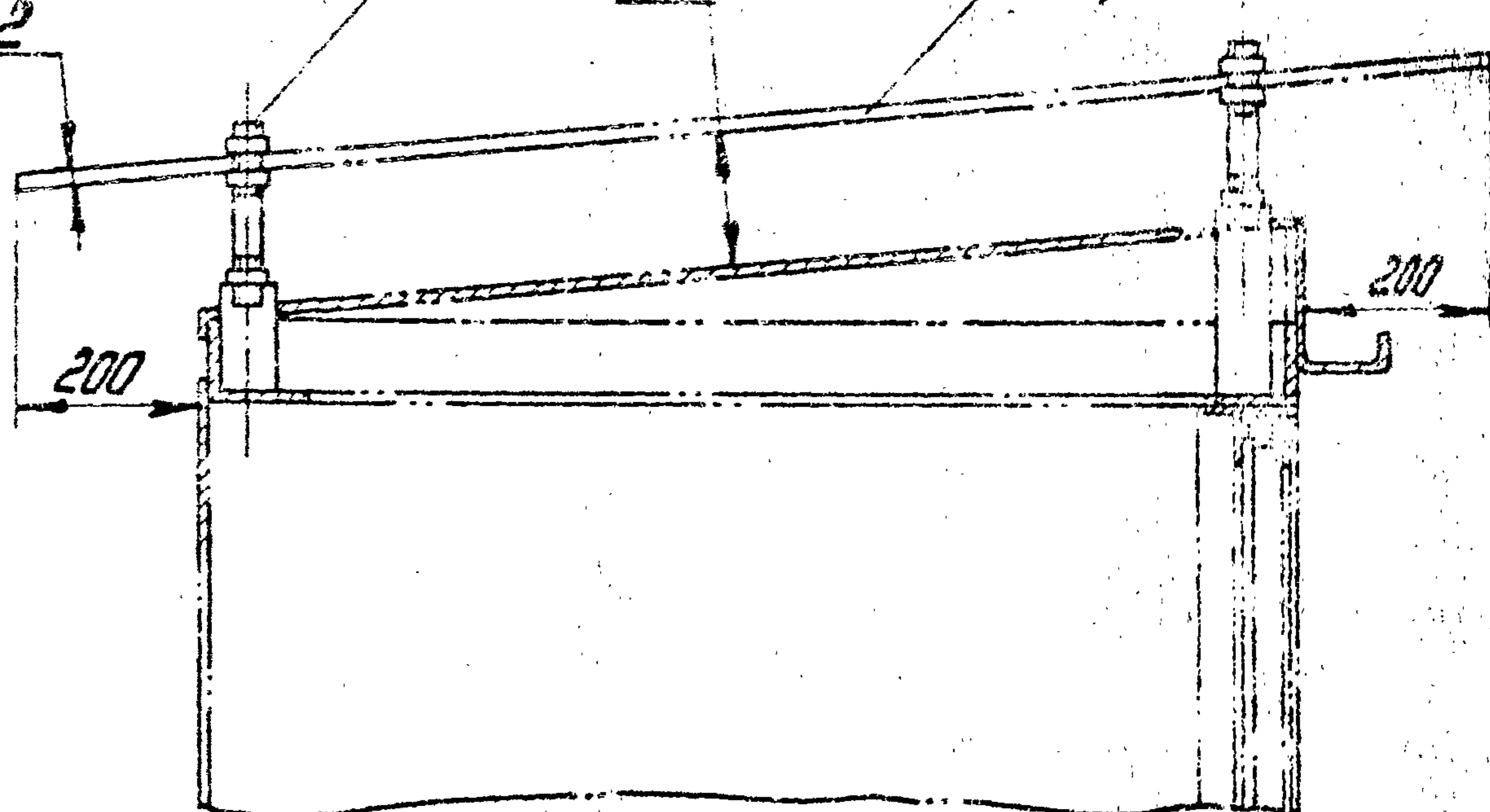


рис. 1

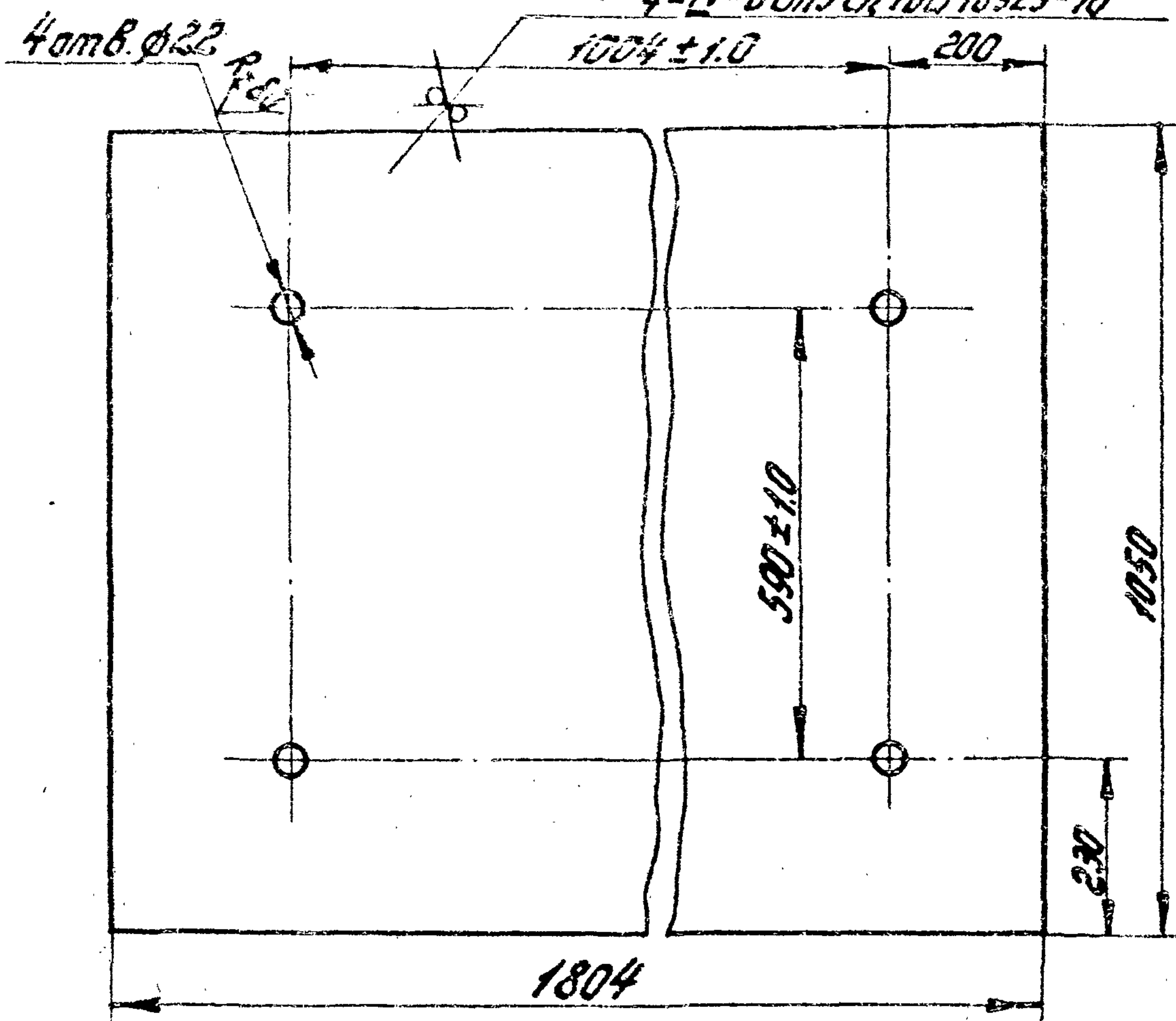
рис. 2

ШО 00. 000 II

Копировал: В.Е. Яковлев

М 1:10

Лист 5-III-2 ГОСТ 19903-74
4-IV-6 Ст3 Ст. ГОСТ 15523-70



Козырек

ШО 00. 000 Д

Лист 3

Копировал: Чибрикина

Формат А4

| Формат | Лист | Лист | Обозначение | Наименование | Лист |
|--------|------|------|----------------|---------------------|------|
| | | | | Документация | |
| А3 | | | ШЗ. 00. 000 СБ | Сборочный чертеж | |
| | | | | Сборочные единицы | |
| А4 | 1 | | ШЗ. 001. 000 | Корпус | 1 |
| А4 | 2 | | ШЗ. 02. 000 | Дверь левая | 1 |
| А4 | 3 | | ШЗ. 03. 000 | Дверь правая | 1 |
| | | | | Детали | |
| | 5 | | ШЗ. 00. 001 | Поперечина | 9 |
| | | | | Стандартные изделия | |
| | 6 | | | Болт М10х20.58.0119 | |
| | | | | ГОСТ 7798-70 | 27 |
| | 8 | | | Гайка М10.5.0119 | |
| | | | | ГОСТ 11371-78 | 27 |
| | 10 | | | Шайба 10.36.0119 | |
| | | | | ГОСТ 11371-78 | 27 |
| | 12 | | | Шарик ф5.5-5 | |
| | | | | ГОСТ 3722-81 | 4 |

ШЗ. 00. 000

| Лист | Лист | Лист | Лист |
|--------|------------|-----------|------|
| Разреш | Яковлев | Д.И. | 1988 |
| Проб | Поперечина | Копировал | 1988 |
| Начерт | Чибрикина | Копировал | 1988 |
| Утв | Чибрикина | Копировал | 1988 |

Шкаф наружной
установки

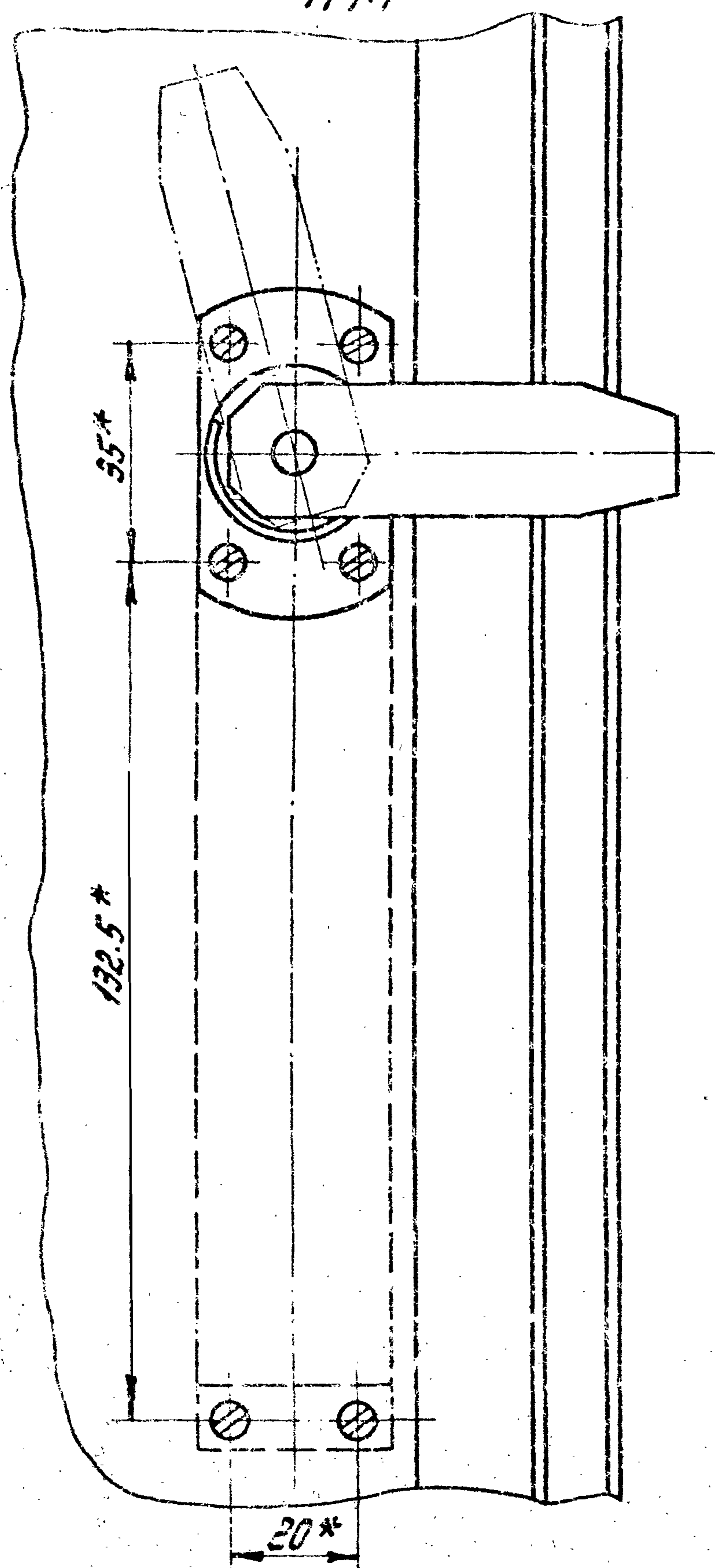
| Лист | Лист | Лист |
|---------------|---------------|---------------|
| 1 | 2 | 3 |
| Сопоставление | Сопоставление | Сопоставление |
| Чибрикина | Чибрикина | Чибрикина |

Копировал: Чибрикина

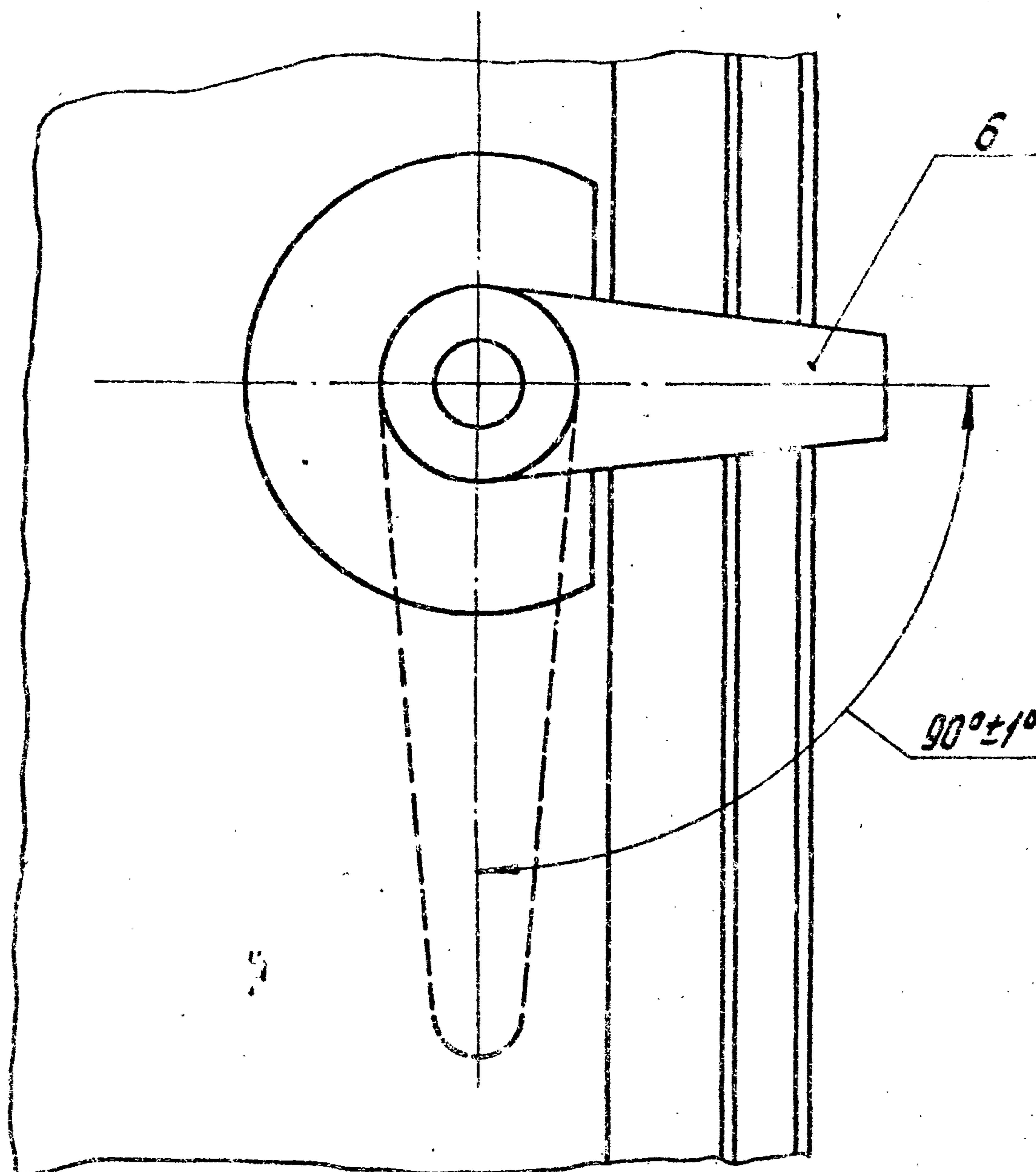
18984-03 Формат А4

92 000 80 877

Вид В
М 1:1



Вид В
М 1:1



| | | | | |
|------|------|----------|-------|------|
| Изм. | Лист | № докум. | Подп. | Дата |
| | | | | |

ШЗ. 03. 000 СБ

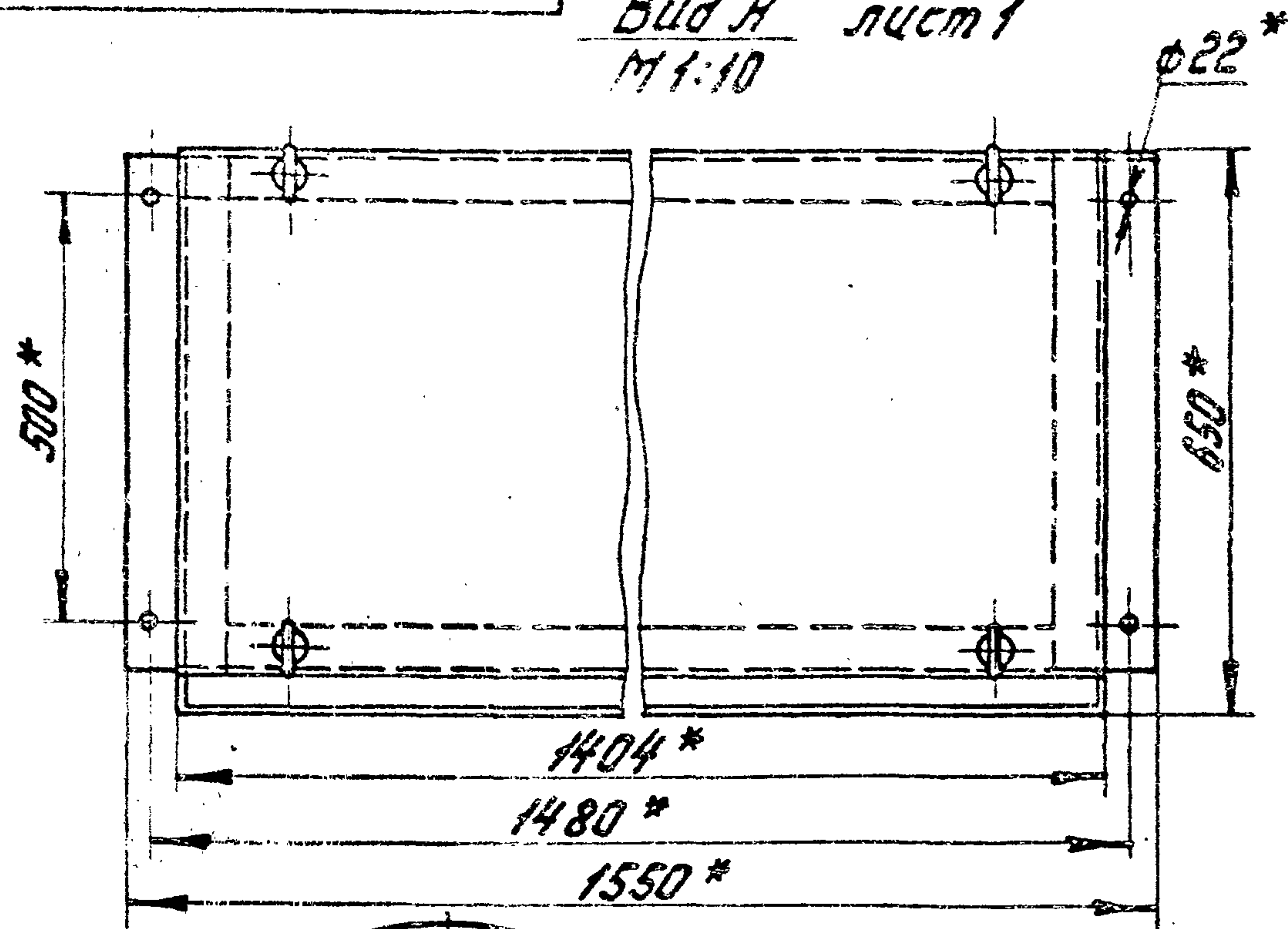
Лист
2

Копировала: Чибрикина

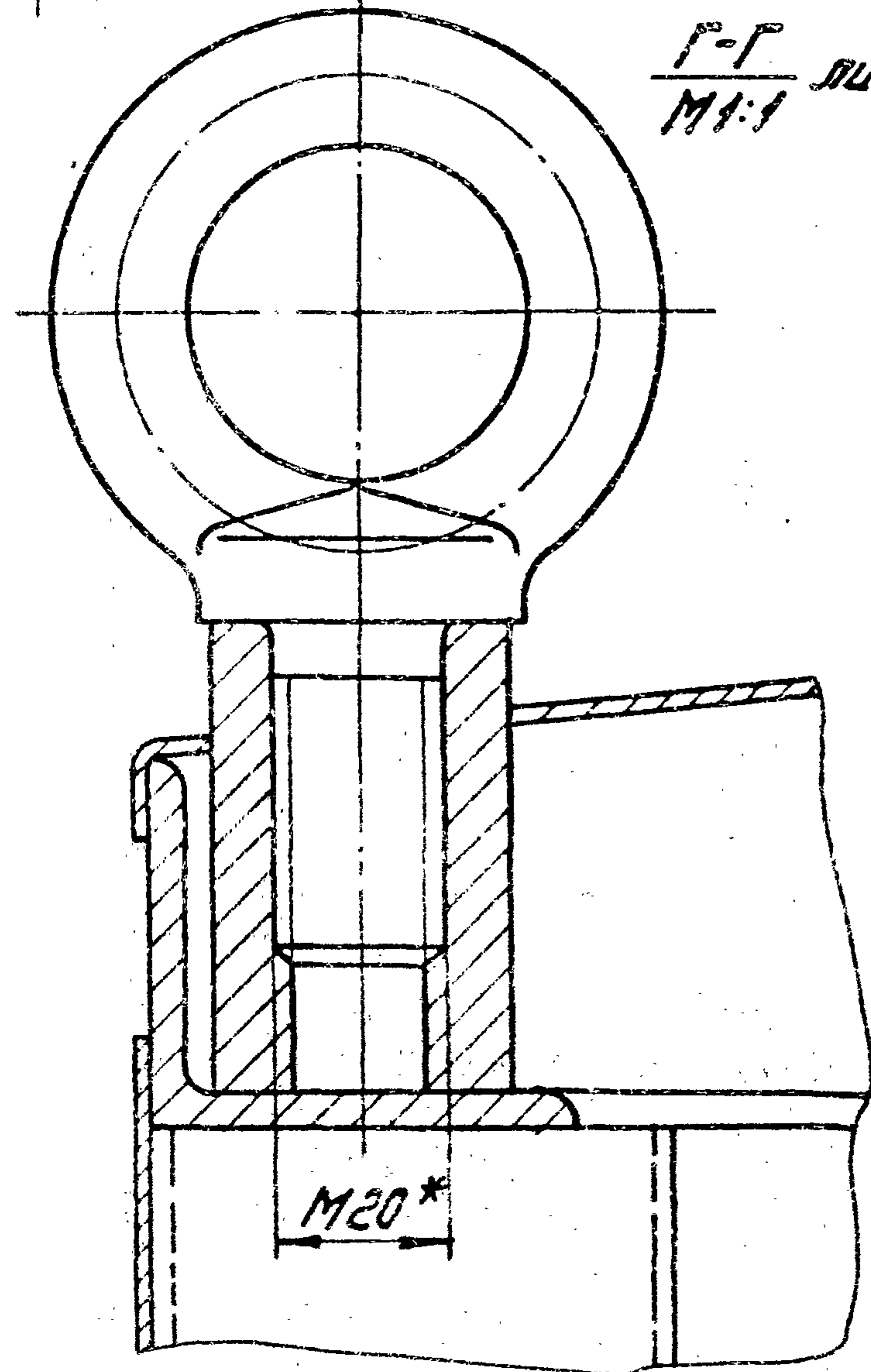
18984-03 Формат А3

Ш.3.00.000.СБ

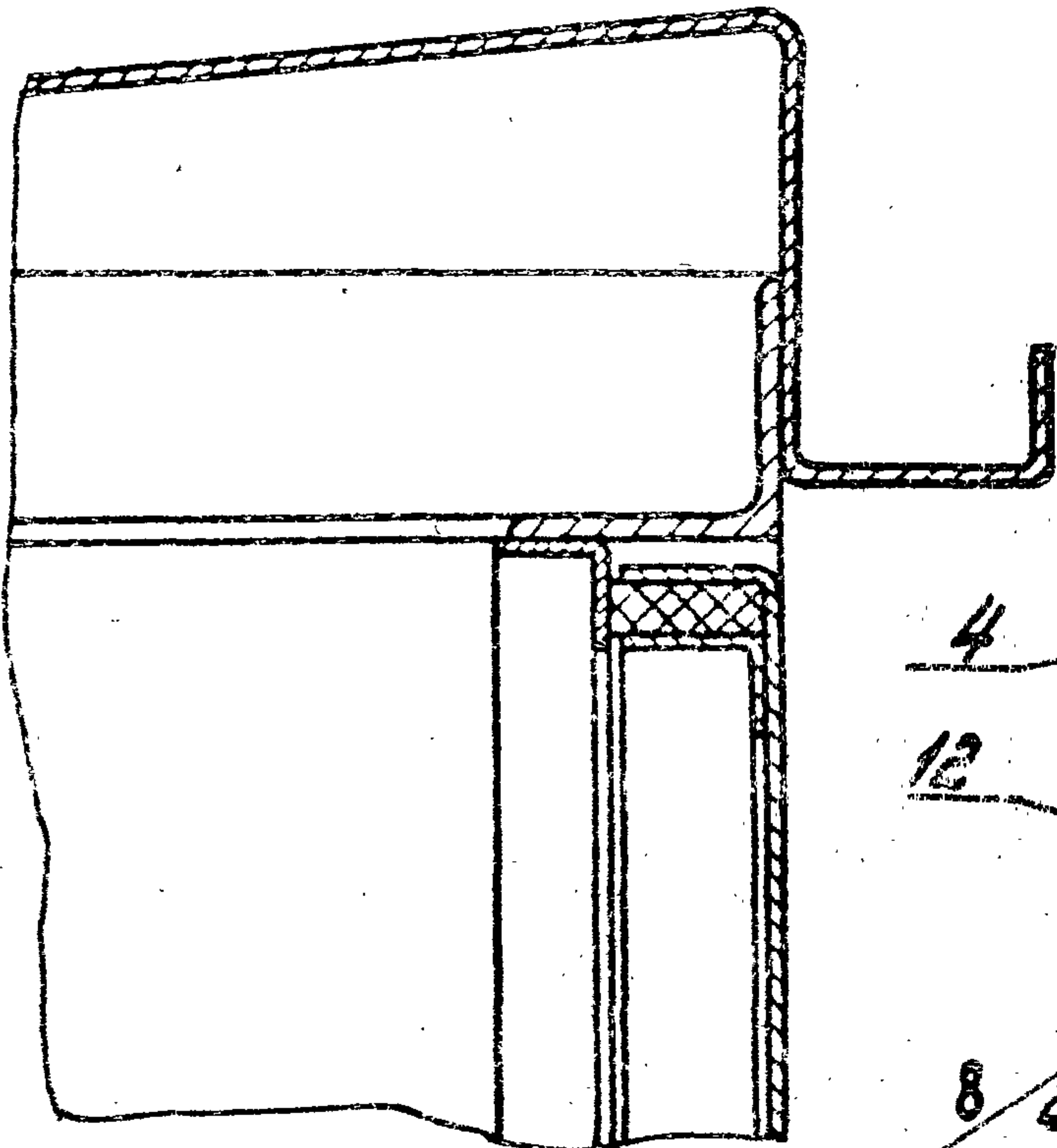
Вид А лист 1
М1:10



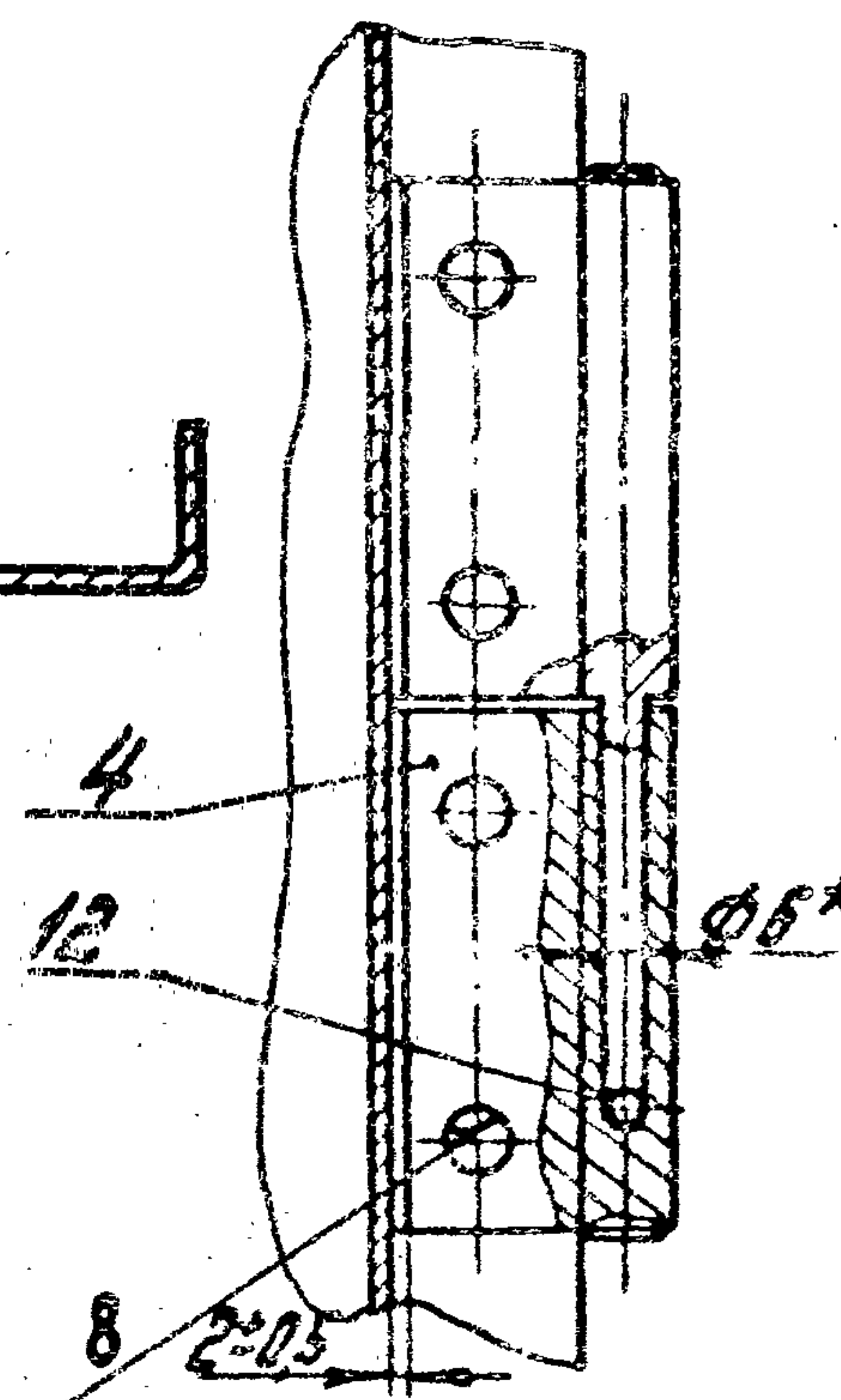
Г-Г лист 1
М1:1



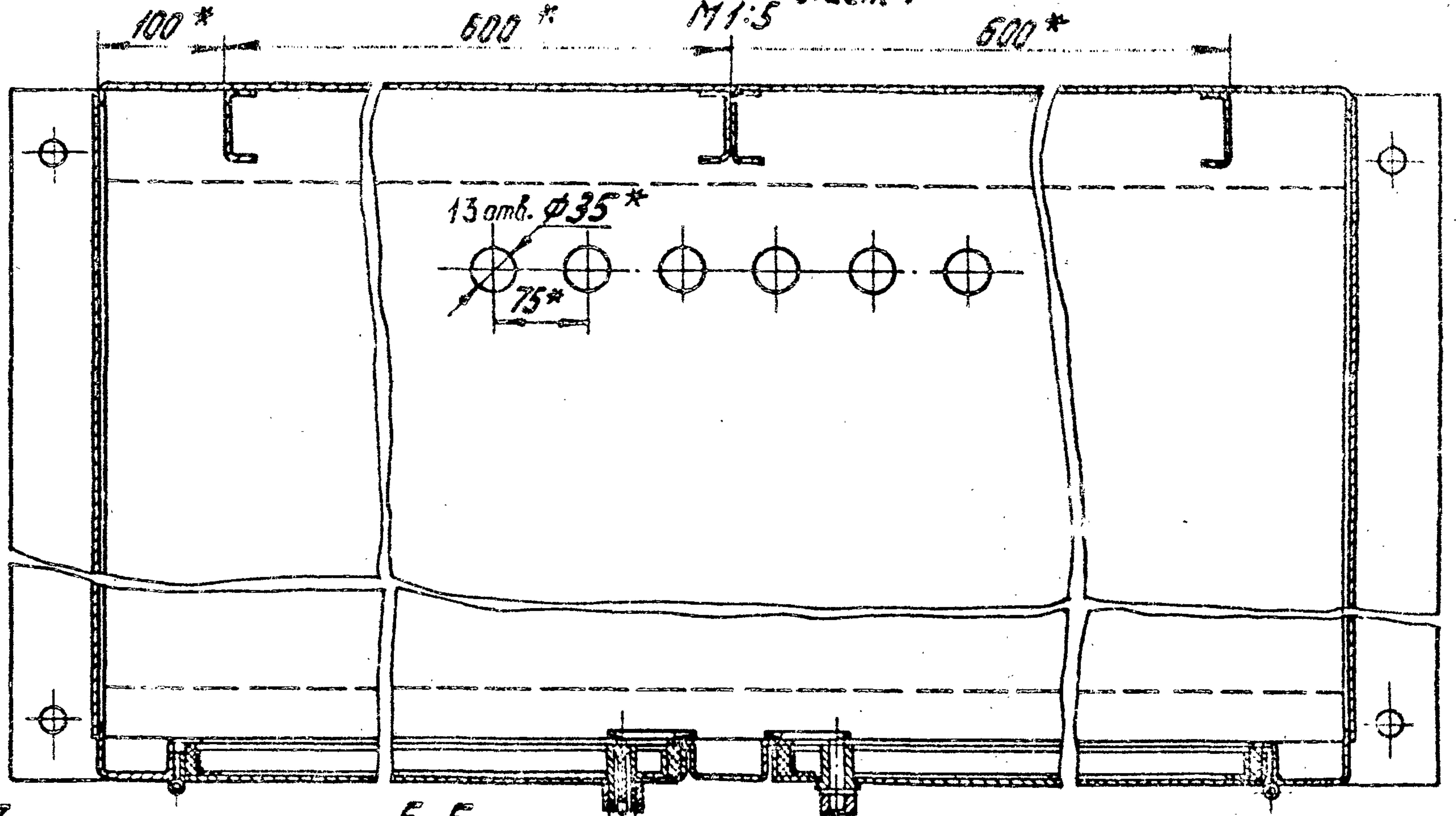
II-II лист 1
М1:2



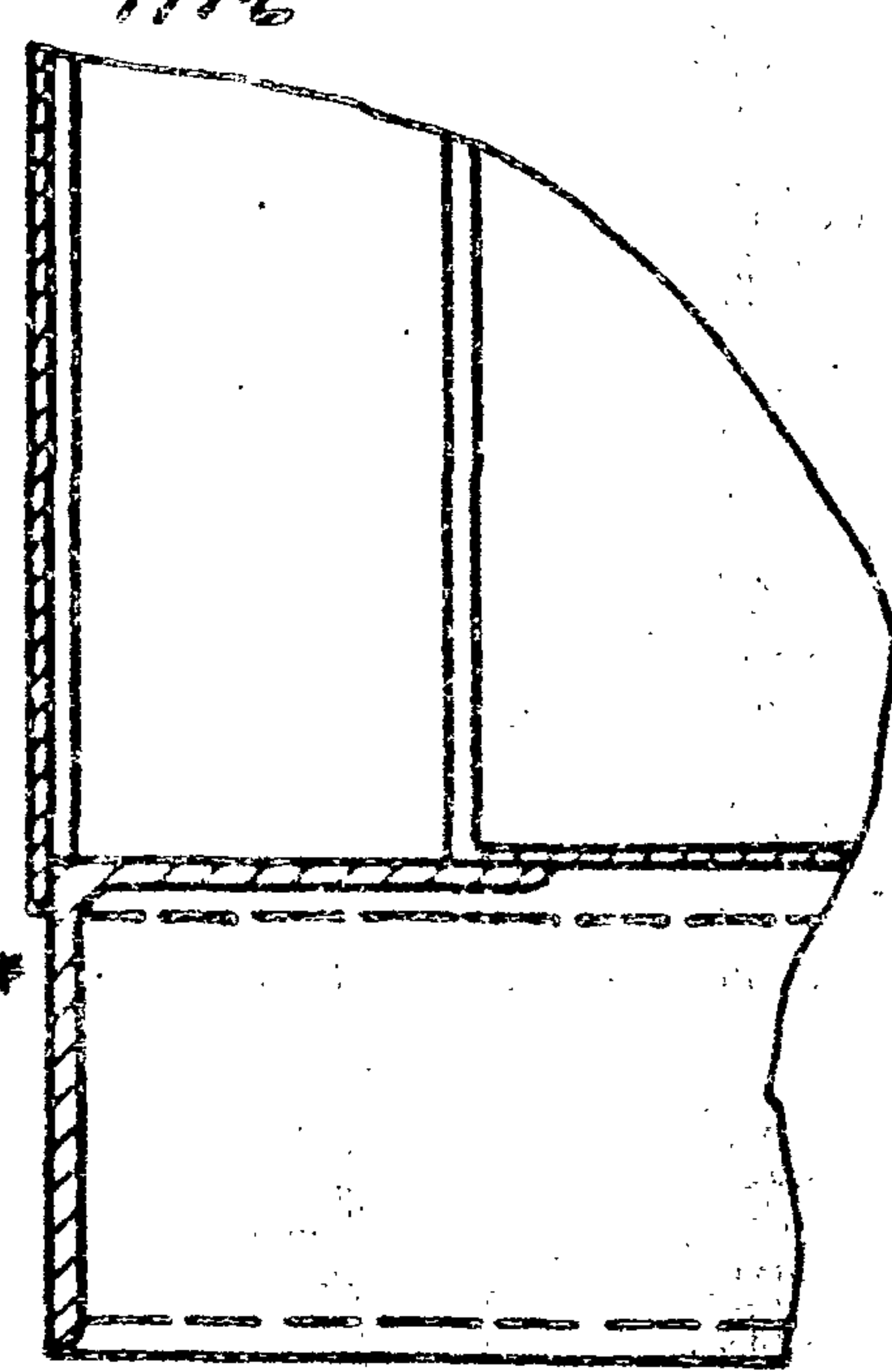
Е-Е лист 1
М1:2



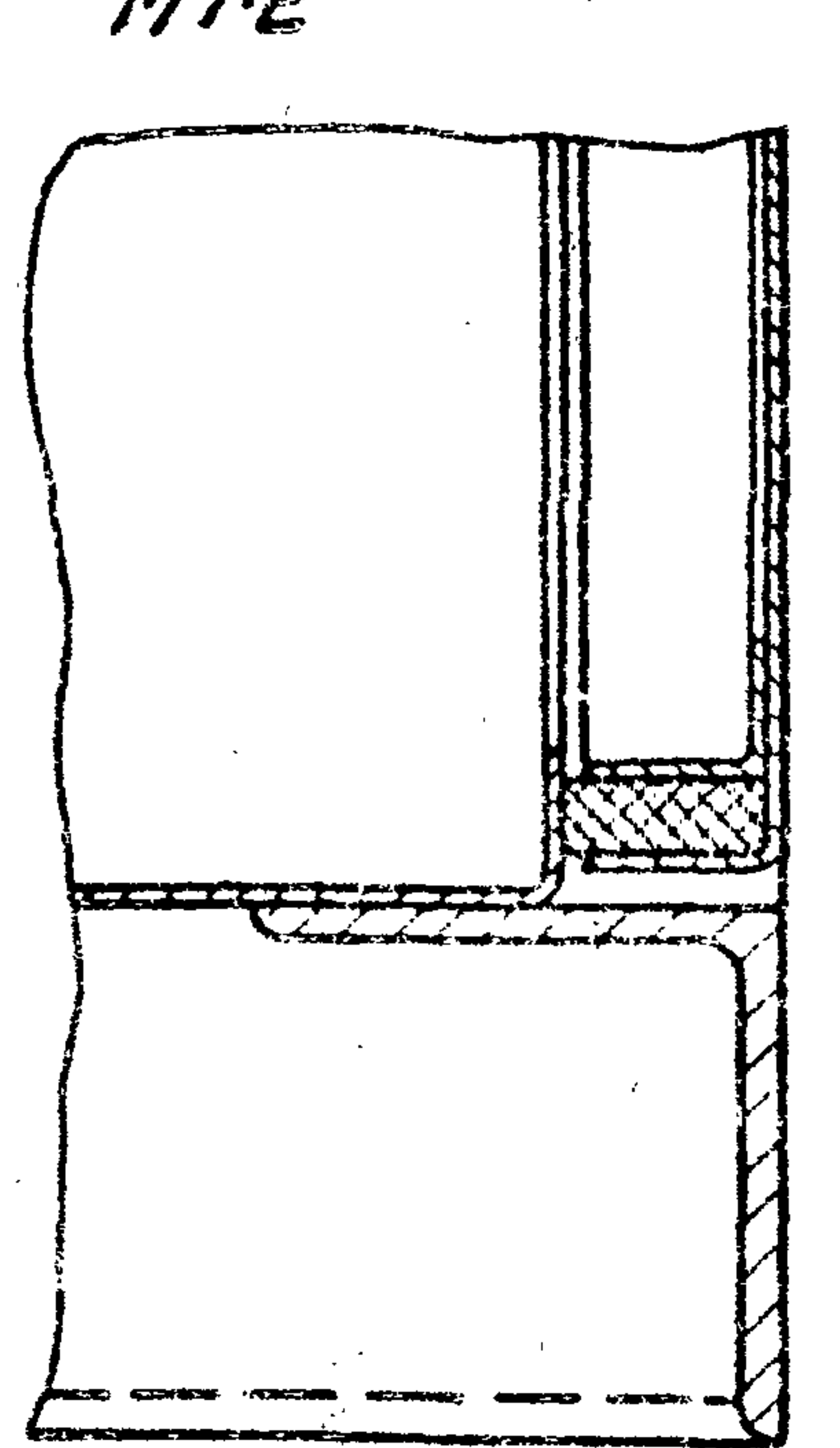
В-В лист 1
М1:5



I лист 1
М1:2



II лист 1
М1:2



ГОСТ 5264-80-71-13

| | |
|-----------|--------------------|
| Имя файла | 18984-03_Формат А3 |
| Имя файла | 18984-03_Формат А3 |

Ш.3.00.000.СБ

СЕР. 3.407.2-135 В.3.

| Лист | № | Обозначение | Наименование | Кол. | Примечание |
|------|-----------|------------------------|---|------|-------------------------------|
| 11 | ШЗ.01.008 | Стойка | Профиль 60x44x32x20x2 ТУ 14-2-341-78 P=1348-2 мм | 2 | Запорож- сталь" |
| 12 | ШЗ.01.009 | Стойка | Профиль корытный рав- нополочный 50x31x22x2 ГОСТ 8283-77 P=1848-2 мм | 1 | Чер. МЗ 4.18 кг 4.12 кг |
| 14 | ШЗ.01.012 | Профиль монтажный | к 235 ТУ 36-1434-82 P=1850±5 мм | 4 | 7.2 кг |
| 15 | | Стандартные изделия | Рым-болт М20 019 ГОСТ 4751-73 | 4 | 2.0 кг |

ШЗ.01.000

Лист
2

Копировал Чибрикина

Формат А4

СЕР. 3.407.2-135 В.3.

| Лист | № | Обозначение | Наименование | Кол. | Примечание |
|------|--------------|----------------------|--------------|------|------------|
| 13 | ШЗ.01.000 СБ | Сборочный чертёж | Документация | | |
| 14 | ШЗ.01.000 СБ | Сборочные единицы | | | |
| 14 | 1 | ШЗ.01.100 | Связь | 1 | |
| 14 | 2 | ШЗ.01.200 | Основание | 1 | |
| 15 | 4 | ШЗ.01.001 | Крышка | 1 | |
| 15 | 5 | ШЗ.01.002 | Днище | 1 | |
| 14 | 7 | ШЗ.01.004 | Стенка | 1 | |
| 14 | 8 | ШЗ.01.005 | Уголок | 1 | |
| 14 | 10 | ШЗ.01.007 | Стенка | 2 | 17.6 кг |

ШЗ.01.000

| Лист | № докум. | Подп. | Дата |
|-----------|----------|-------|-------|
| Разраб. | Яковлев | И.И. | 06.83 |
| Пров. | Яковлев | И.И. | 12.83 |
| Начект. | Кулинич | И.И. | 12.83 |
| Н. контр. | Лазутин | И.И. | 01.84 |
| Зам. | Воробей | И.И. | 12.83 |

Корпус

| Лист | № докум. | Подп. | Дата |
|------|----------|-------|-------|
| 1 | 1 | И.И. | 06.83 |
| 2 | 2 | И.И. | 12.83 |

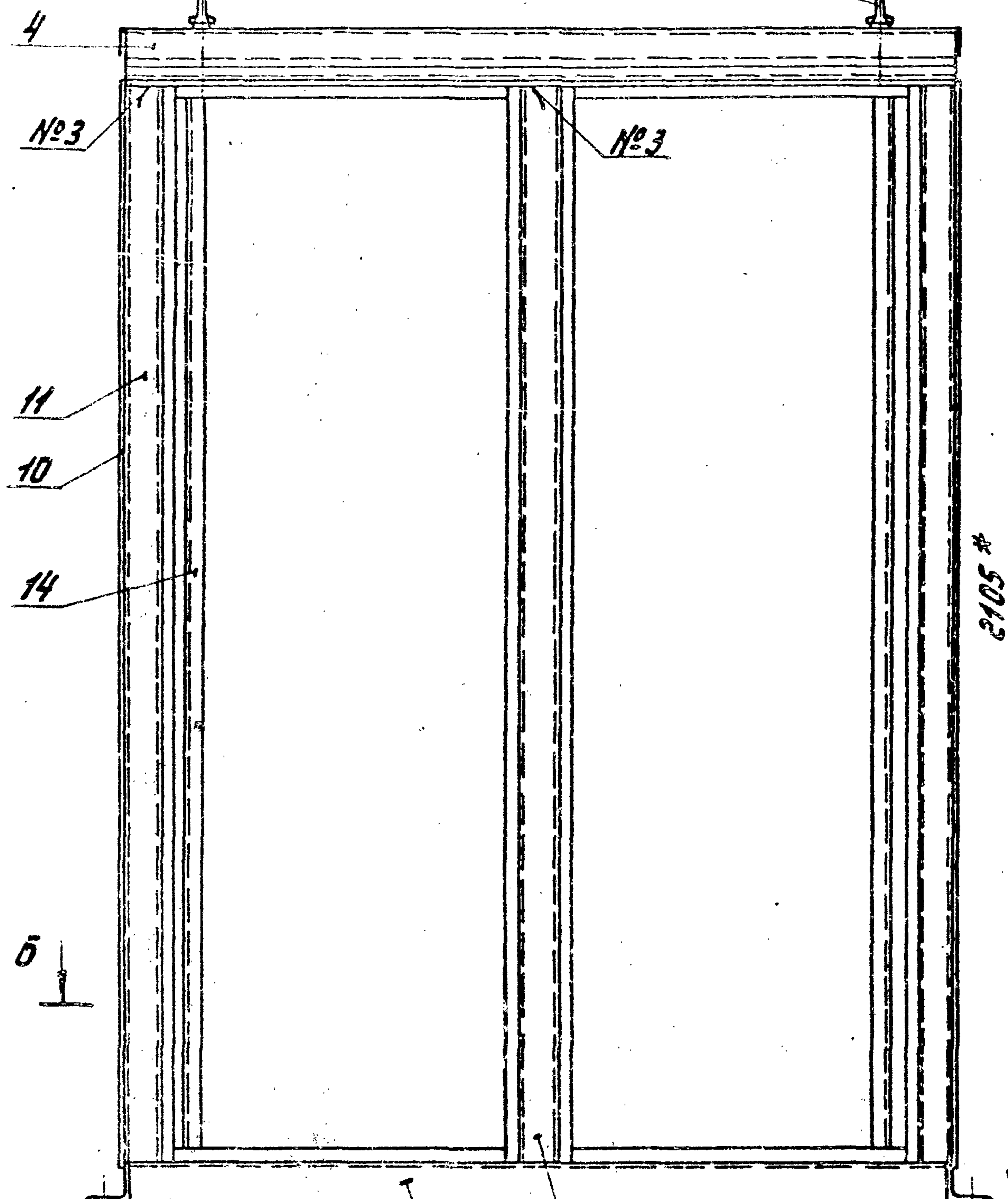
Копировал Чибрикина

18984-03

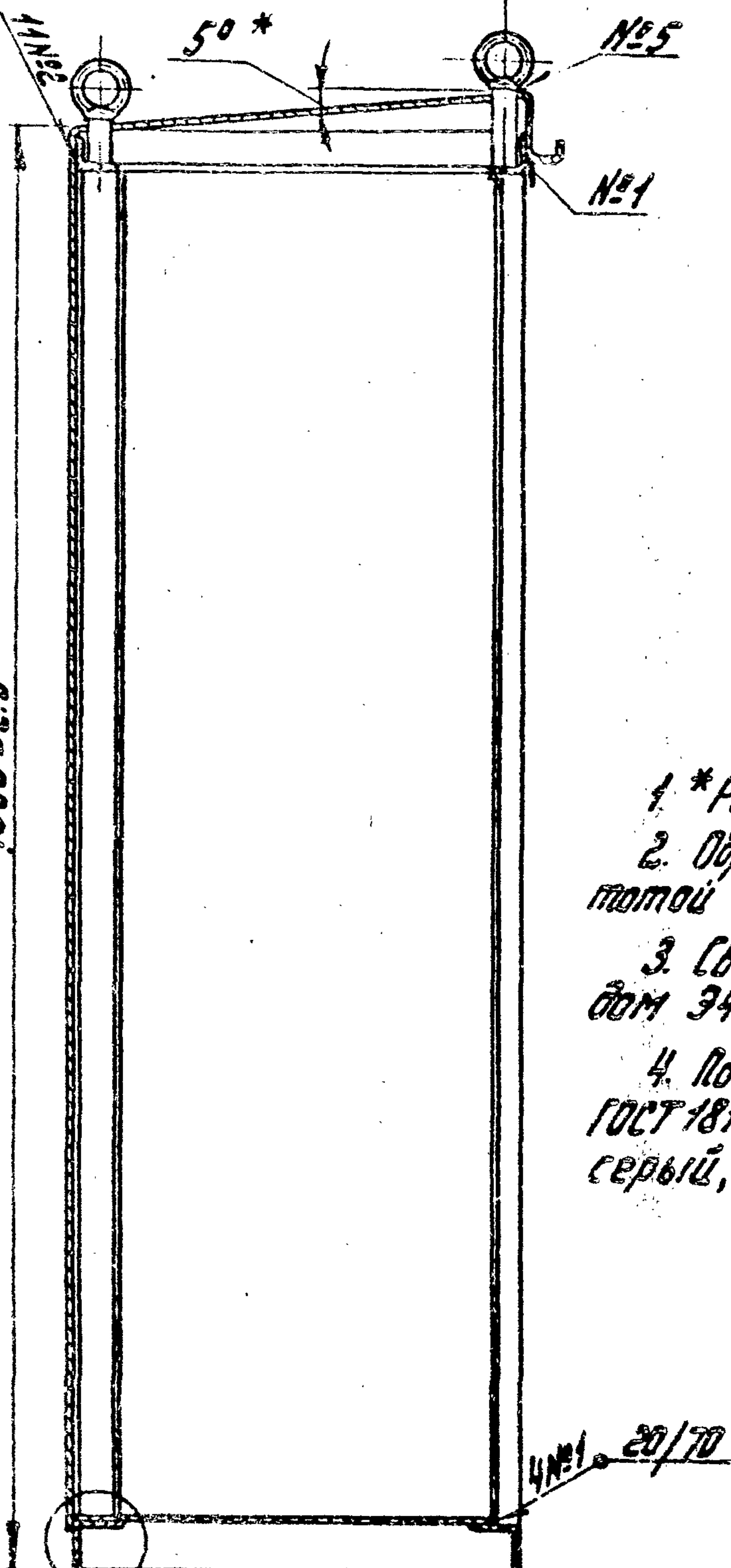
Ш.З. 000 10 877

А лист 2 15 В

20/70 14 №2 50 * 8-9



А лист 2



- 1 * Размеры для справок.
2. Обрезку проката выполнить с чистой поверхностью R_{2.5}.
3. Сварные швы выполнить электродами Э42А ГОСТ 9467-75.
4. Покрытие: грунтотка ПФ-020 ГОСТ 18186-79, два слоя; эмаль ПФ-115, серый, ГОСТ 6465-76, три слоя.

Ш.З. 01. 000 СБ

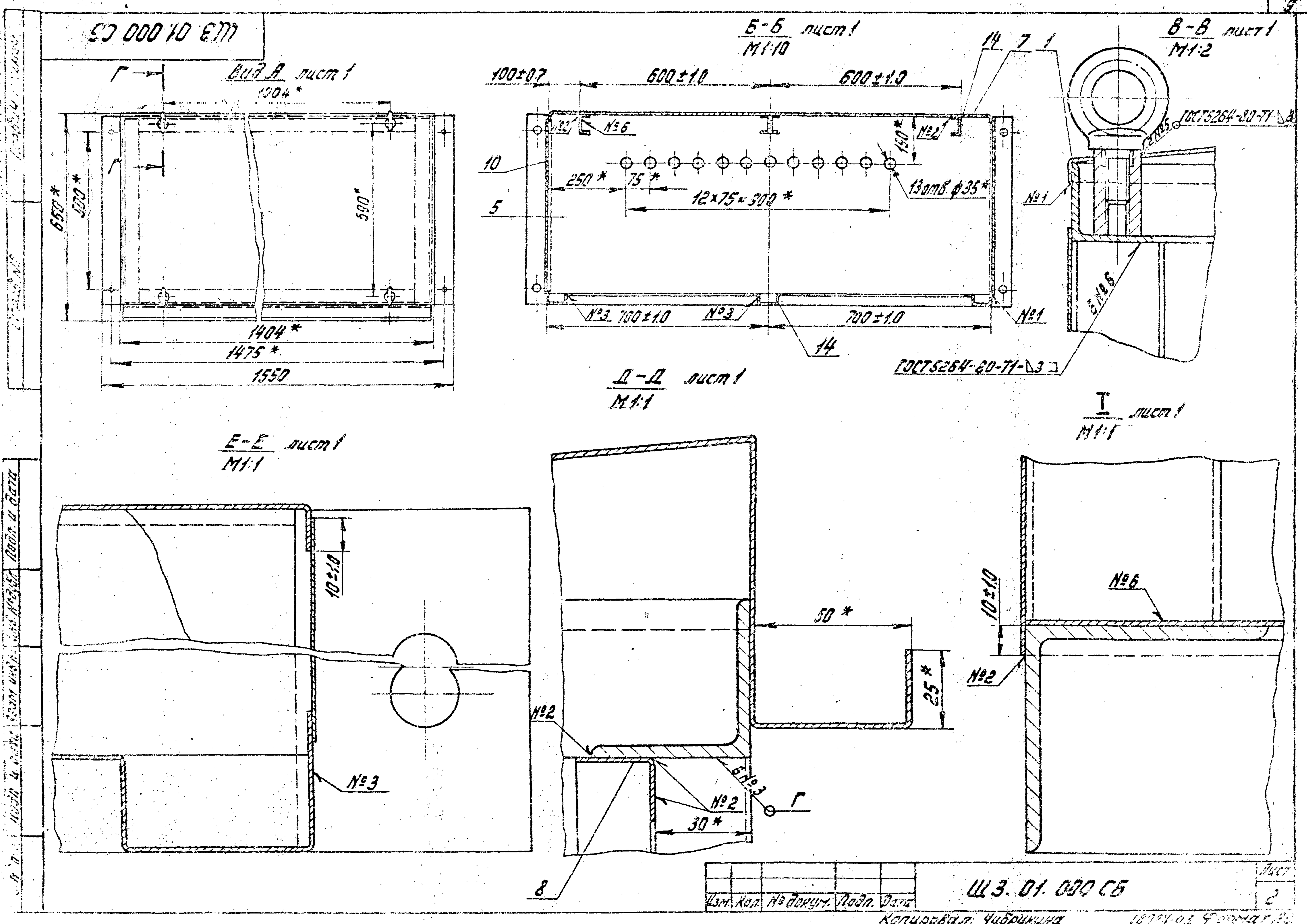
| Изм. | Лист | № докум. | Подп. | Дата |
|-----------|-------------|-------------|----------|------|
| Разраб. | Ярошнина | Ярошнина | 16.06.83 | |
| Пров. | Яковлев | Яковлев | 17.06.83 | |
| Т. контр. | Кузнецов | Кузнецов | 17.06.83 | |
| И. контр. | Платунин | Платунин | 17.06.83 | |
| Утв. | Александров | Александров | 17.06.83 | |

Корпус
Сборочный чертеж

| Лист | Масса | Масштаб |
|--|----------|---------|
| 74.0 | 1:10 | |
| Лист 1 | Листов 2 | |
| СНУЗГНПРОВОДХИЗ имени Е.Е.Александровского г. Москва | | |

Копировал: Чебрикина

18984-03 Формат А3



СЕР. 3.407.2-135.33

| Формат | Лист | Поз. | Обозначение | Наименование | Кол. | Примечание |
|--------|------|------|----------------|-------------------------------|------|------------|
| | | | | <u>Документация</u> | | |
| А3 | | | ЩЗ. 01. 200 СБ | Сборочный чертеж | | |
| | | | | <u>Детали</u> | | |
| Б4 | 1 | | ЩЗ. 01. 201 | Поперечина | | |
| | | | | Уголок 6-80*80*6 ГОСТ 8509-72 | | |
| | | | | 8 шт 3 сл 2-й ГОСТ 535-79 | | |
| | | | | L = 600-2 мм | 2 | |
| Б4 | 2 | | ЩЗ. 01. 202 | Брус | | |
| | | | | Уголок 6-80*80*6 ГОСТ 8509-72 | | |
| | | | | 8 шт 3 сл 2-й ГОСТ 535-79 | | |
| | | | | L = 1400-3 | 2 | |

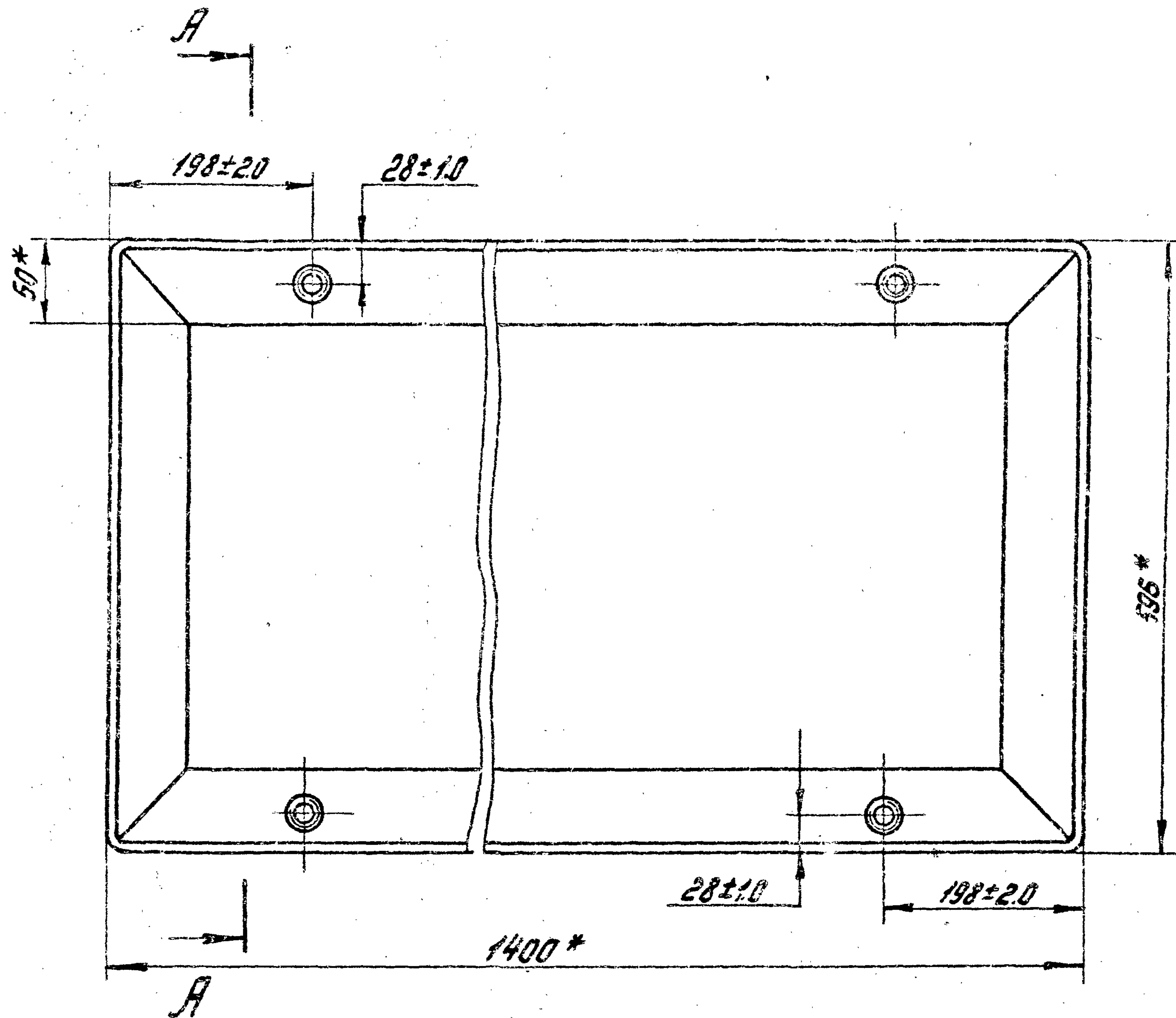
| | | | | | | | |
|----------------------|-----------|---------|-------|----------|--|------|--------|
| Изм. | Лист | Исполн. | Подп. | Дата | ЩЗ. 01. 200 | | |
| Разработ. | Яковлев | Лист | 1 | 17.08.83 | Лит. | Лист | Листов |
| Проб. | Платунина | Лист | 1 | 17.08.83 | Основание СОЮЗГИПРОВЭДХОЗ имени Е.Е. Алексеевского г. Москва | | |
| Начекст. | Килин | Лист | 1 | 17.08.83 | | | |
| Н. контр. | Платунина | Лист | 1 | 17.08.83 | | | |
| Утв. | Васильев | Лист | 1 | 17.08.83 | | | |
| Копировал: Чибрикина | | | | | Формат А4 | | |

СЕР. 3.407.2-135.33

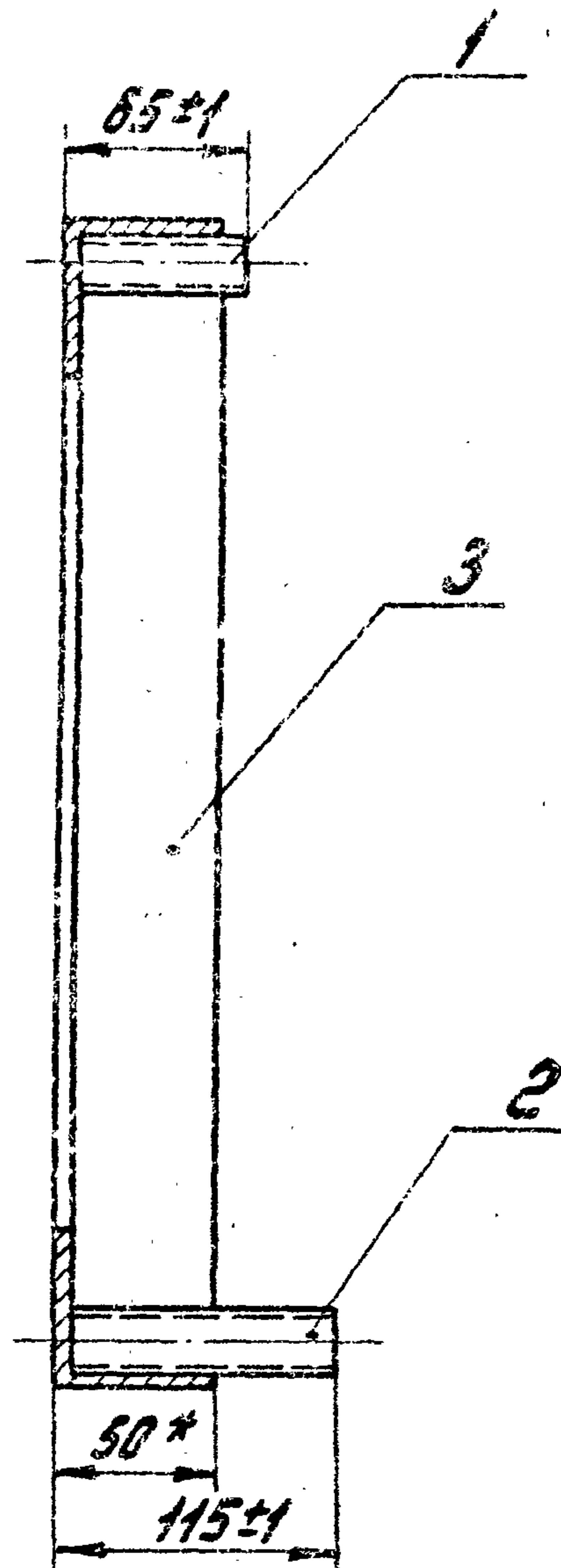
| Формат | Лист | Поз. | Обозначение | Наименование | Кол. | Примечание |
|--------|------|------|----------------|---------------------|------|------------|
| | | | | <u>Документация</u> | | |
| А3 | | | ЩЗ. 01. 100 СБ | Сборочный чертеж | | |
| | | | | <u>Детали</u> | | |
| А4 | 1 | | Щ1. 01. 101 | Бобышка | 2 | |
| А4 | 2 | | Щ1. 01. 201 | Бобышка | 2 | |
| А3 | 3 | | ЩЗ. 01. 101 | Рамка | 1 | |

| | | | | | | | |
|----------------------|-----------|---------|-------|----------|--|------|--------|
| Изм. | Лист | Исполн. | Подп. | Дата | ЩЗ. 01. 100 | | |
| Разработ. | Платунина | Лист | 1 | 17.08.83 | Лит. | Лист | Листов |
| Проб. | Яковлев | Лист | 1 | 17.08.83 | СВЯЗЬ СОЮЗГИПРОВЭДХОЗ имени Е.Е. Алексеевского г. Москва | | |
| Начекст. | Килин | Лист | 1 | 17.08.83 | | | |
| Н. контр. | Платунина | Лист | 1 | 17.08.83 | | | |
| Утв. | Васильев | Лист | 1 | 17.08.83 | | | |
| Копировал: Чибрикина | | | | | 18384-03 Формат А4 | | |

ЩЗ. 01. 100 СБ



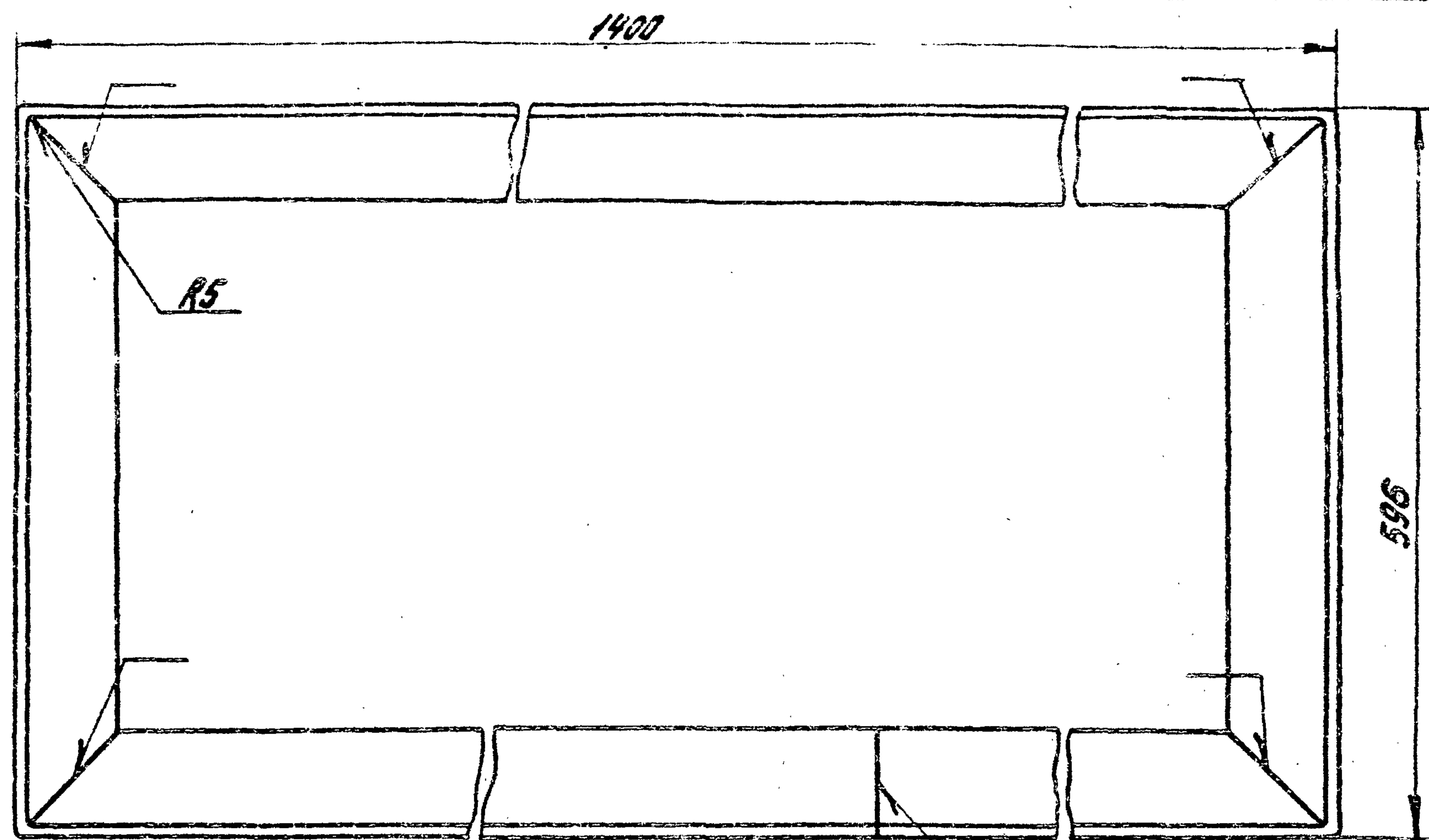
A-A



| ЩЗ. 01. 100 СБ | | | | | Лит. | Масса | Наситб |
|----------------|-----------|-----------|-----------|----------|------|-------|--------|
| Изм. | Лист | № докум. | Подп. | Дата | | | |
| Разрб. | Долгалева | Долг | Долг | 10.03.88 | | 12.6 | 1.5 |
| Проб. | Яковлев | Лев | Лев | 10.03.88 | | | |
| Т. контр. | | | | | | | |
| Нач. экз. | Кулинич | Кулинич | Кулинич | 10.03.88 | | | |
| Н. контр. | Яковлев | Яковлев | Яковлев | 10.03.88 | | | |
| Утв. | 8008-дир. | 8008-дир. | 8008-дир. | 10.03.88 | | | |

СВ язь
Сборочный чертёж

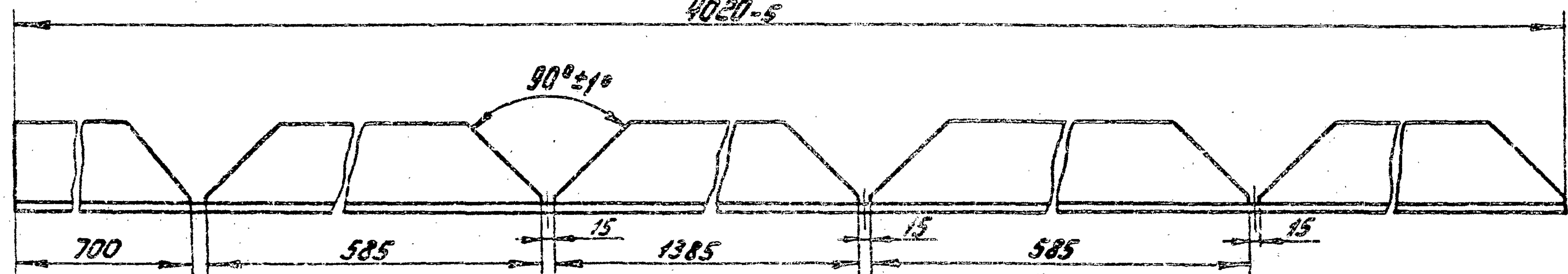
Ш.З. 01. 101



Развертка

ГОСТ 5264-80-С1

4020-5

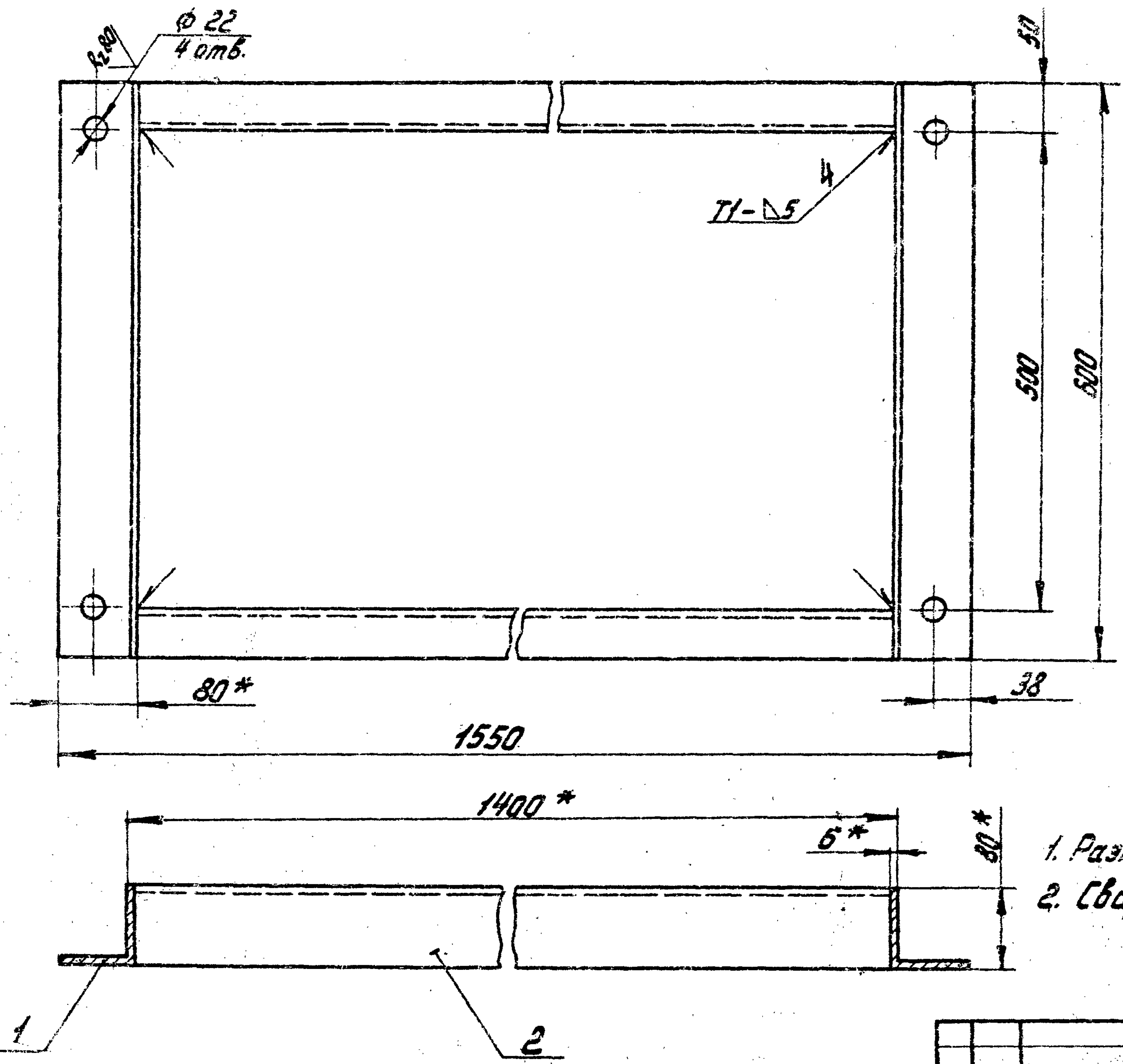


| | | | | | | |
|-------------|-------------|-------|----------|--------------------|------|-----|
| | | | | Ш.З. 01. 101 | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| Имя рект | на докум. | Подп. | Итого | | | |
| Разработ. | Давыдов | Давы | 18.08 | | | |
| Проф. | Яковлев | Яков | 11.08.85 | | | |
| Г. контр. | | | | | | |
| Нам. сест. | Кулинич | Кули | 12.06.85 | | | |
| Нам. контр. | Платунин | Плат | 12.06.85 | | | |
| Учтб. | Воробейский | Вороб | 12.06.85 | | | |
| | | | | Лит. Масса Масштаб | | |
| | | | | | 1244 | 1:5 |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |

Копировал: Чубрикина

18984-03 Формат А3

ШЗ.01.200СБ

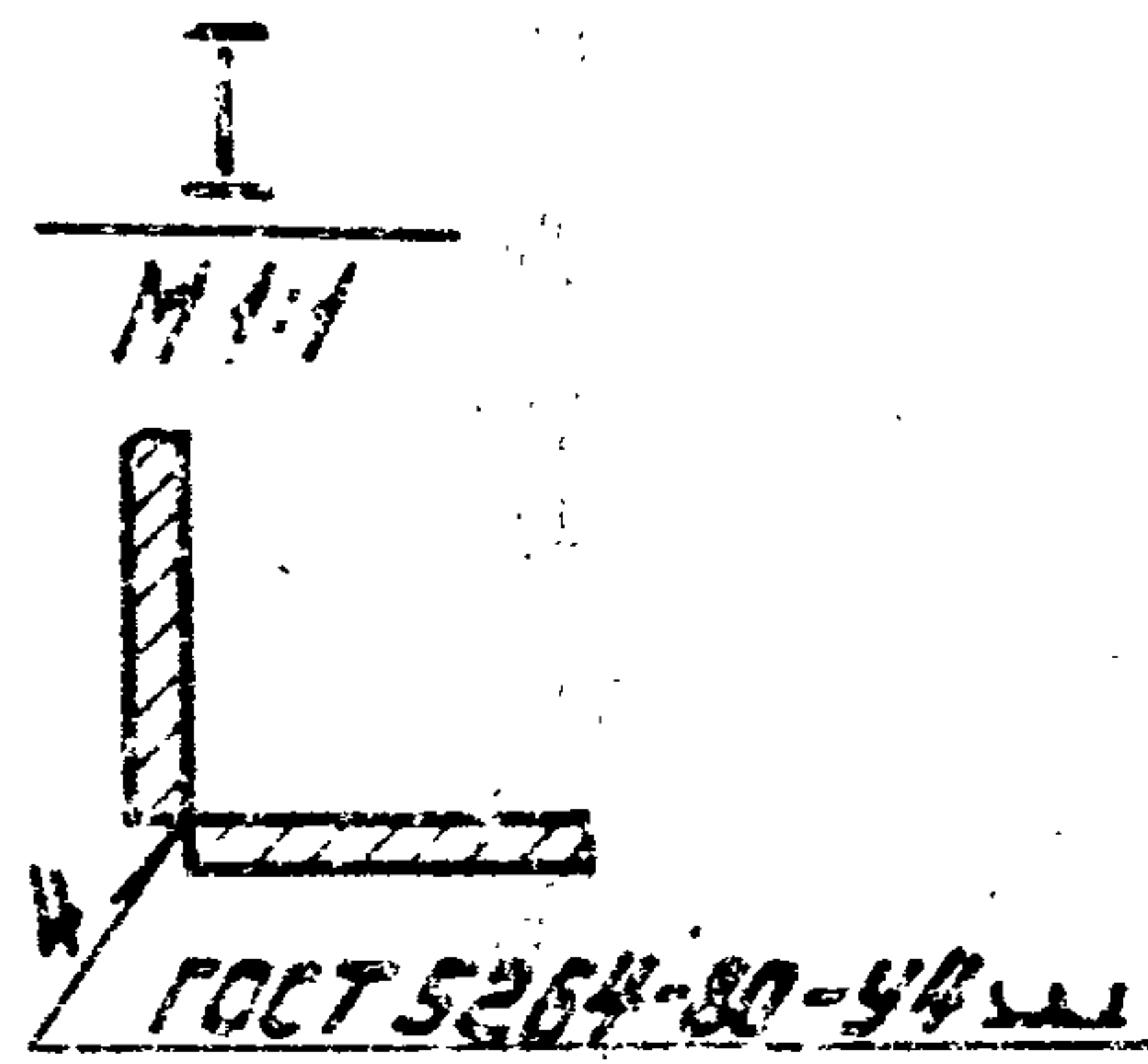
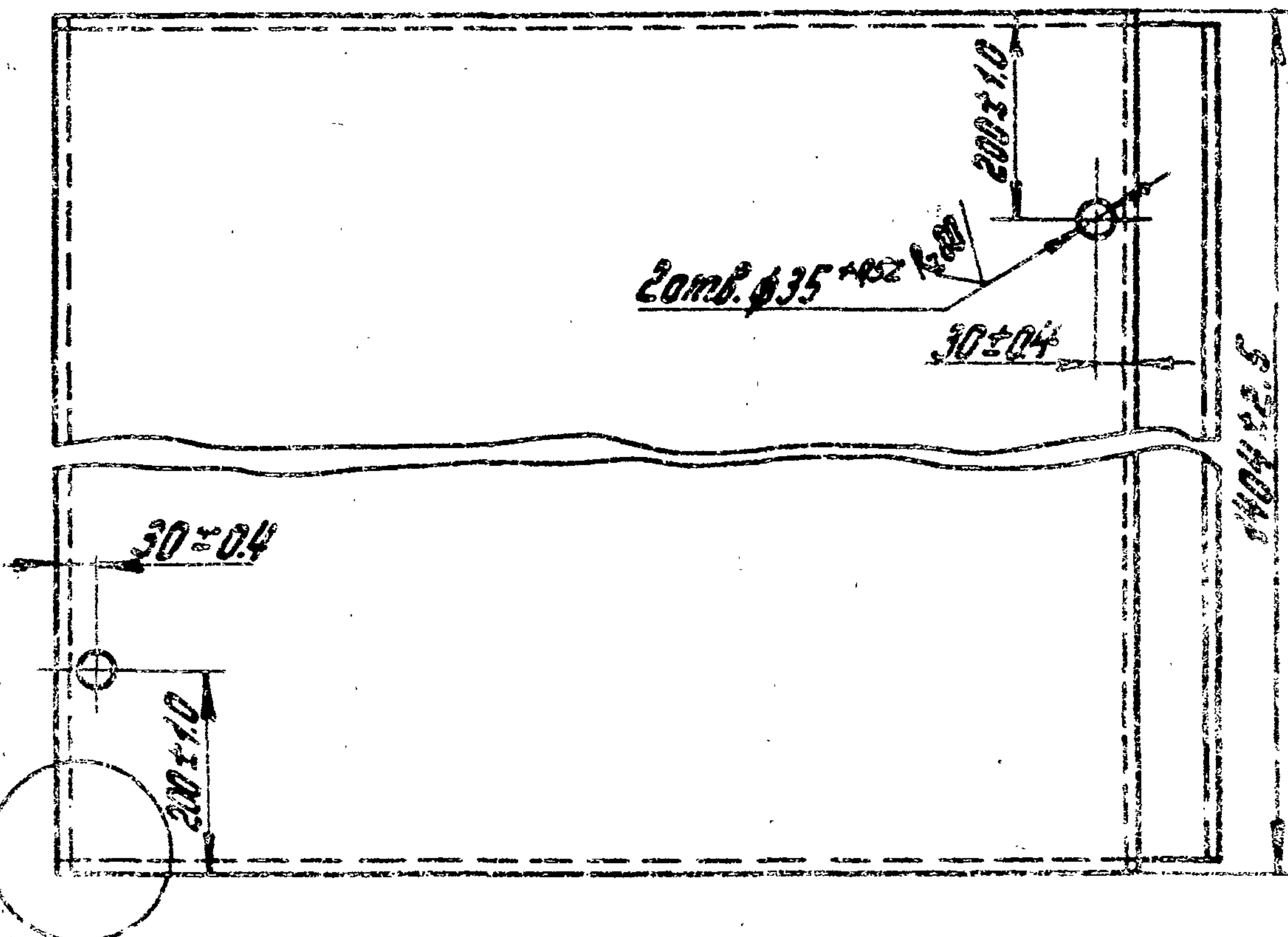
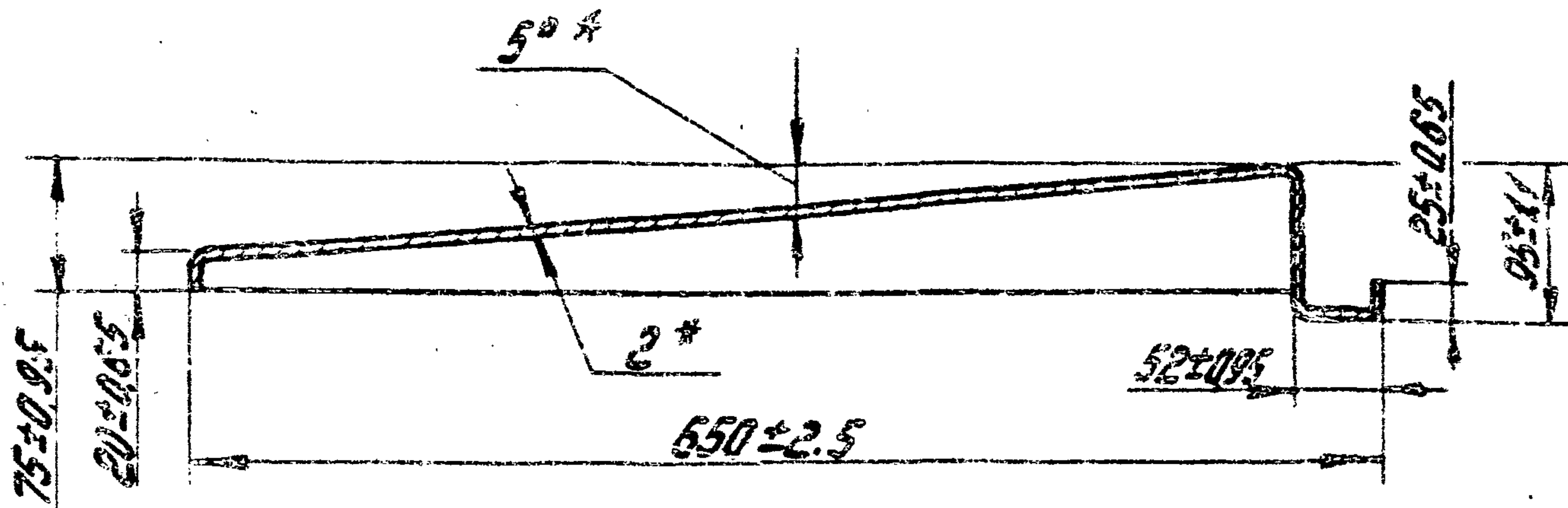


1. Размеры для справок.
2. Сварка по ГОСТ 5264-80 электродами Э42 ГОСТ 9407-75

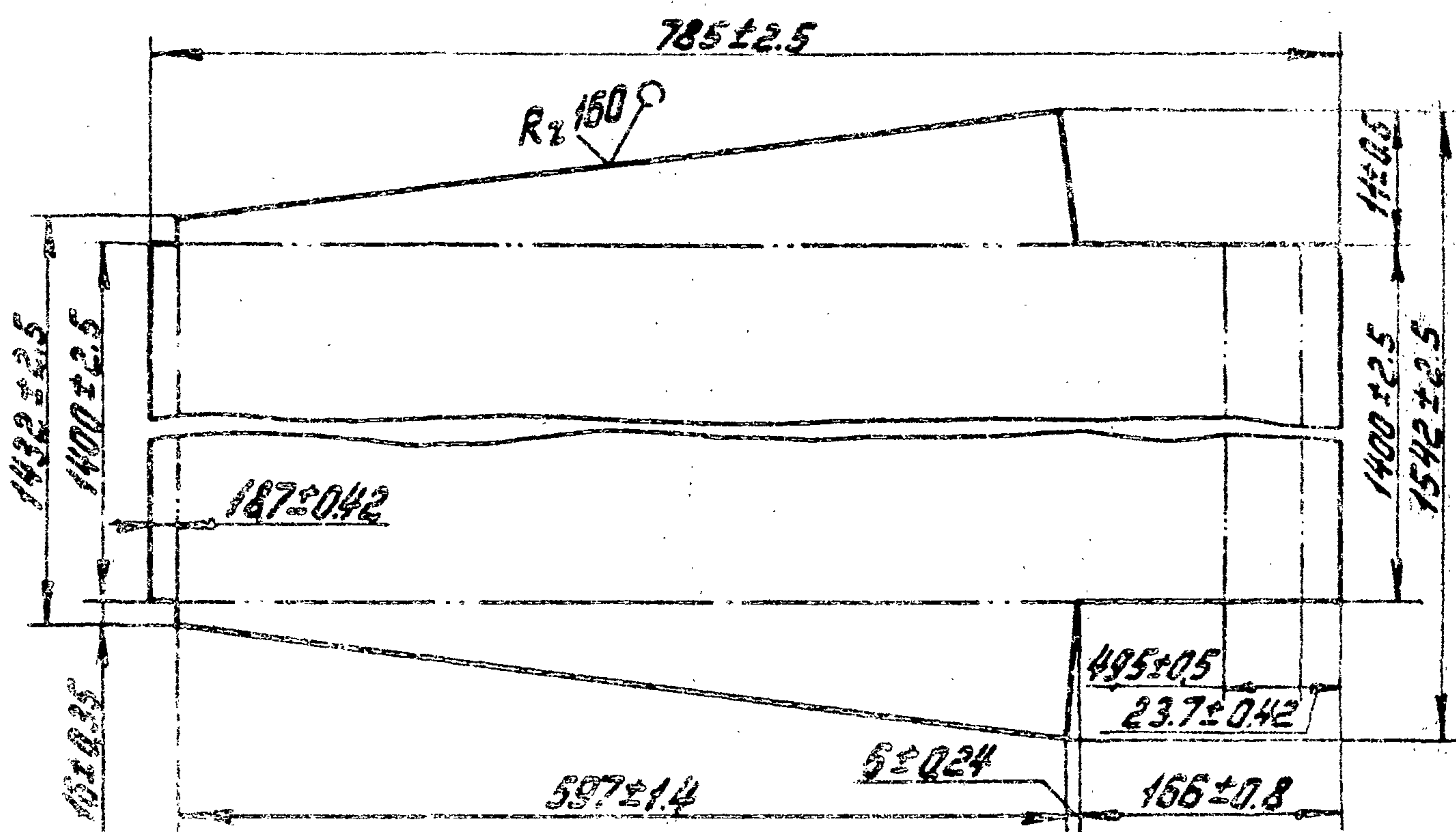
| | | | | | | |
|--------------------------|--|--|--|------------|--------|---------|
| ШЗ.01.200СБ | | | | Лист | Масса | Масштаб |
| Основание | | | | 19.06 | 1.5 | |
| Сборочный чертеж | | | | Лист | Листов | |
| Составитель: [Signature] | | | | С. 1100000 | | |
| Проверил: [Signature] | | | | Формат: А3 | | |
| Утвердил: [Signature] | | | | | | |
| Исполнитель: [Signature] | | | | | | |
| Копировал: Чибрикина | | | | | | |

ШЗ 01.001

✓ (✓)



Развертка



1. Размеры для справок.
2. Радиус галта 2 ± 0.3 мм.
3. Электрод Э42 ГОСТ 9467-75.
4. Включности и перемены не допускаются.

| | | | | | | |
|------------|-----------|-----------|----------|---------------------------|-------|---------|
| | | | | ШЗ 01.001 | | |
| Лист | № докум. | Подп. | Дата | Лист | Масса | Масштаб |
| Разраб. | Поперина | Яковлев | 20.08.75 | 181 | 1:5 | |
| Проф. | Яковлев | Яковлев | 20.08.75 | | | |
| Т.контр. | | | | | | |
| Изм. конт. | Купинин | Купинин | 22.08.75 | | | |
| И.контр. | Поперина | Поперина | 22.08.75 | | | |
| Упр. | Корбацкий | Корбацкий | 22.08.75 | | | |
| Крышка | | | | Лист 5-ПН-2 ГОСТ 19903-74 | | |
| | | | | 4-ПН-8 ГОСТ 16523-70 | | |
| | | | | Соединительный штифт | | |
| | | | | И.И. Александров | | |
| | | | | г. Москва | | |

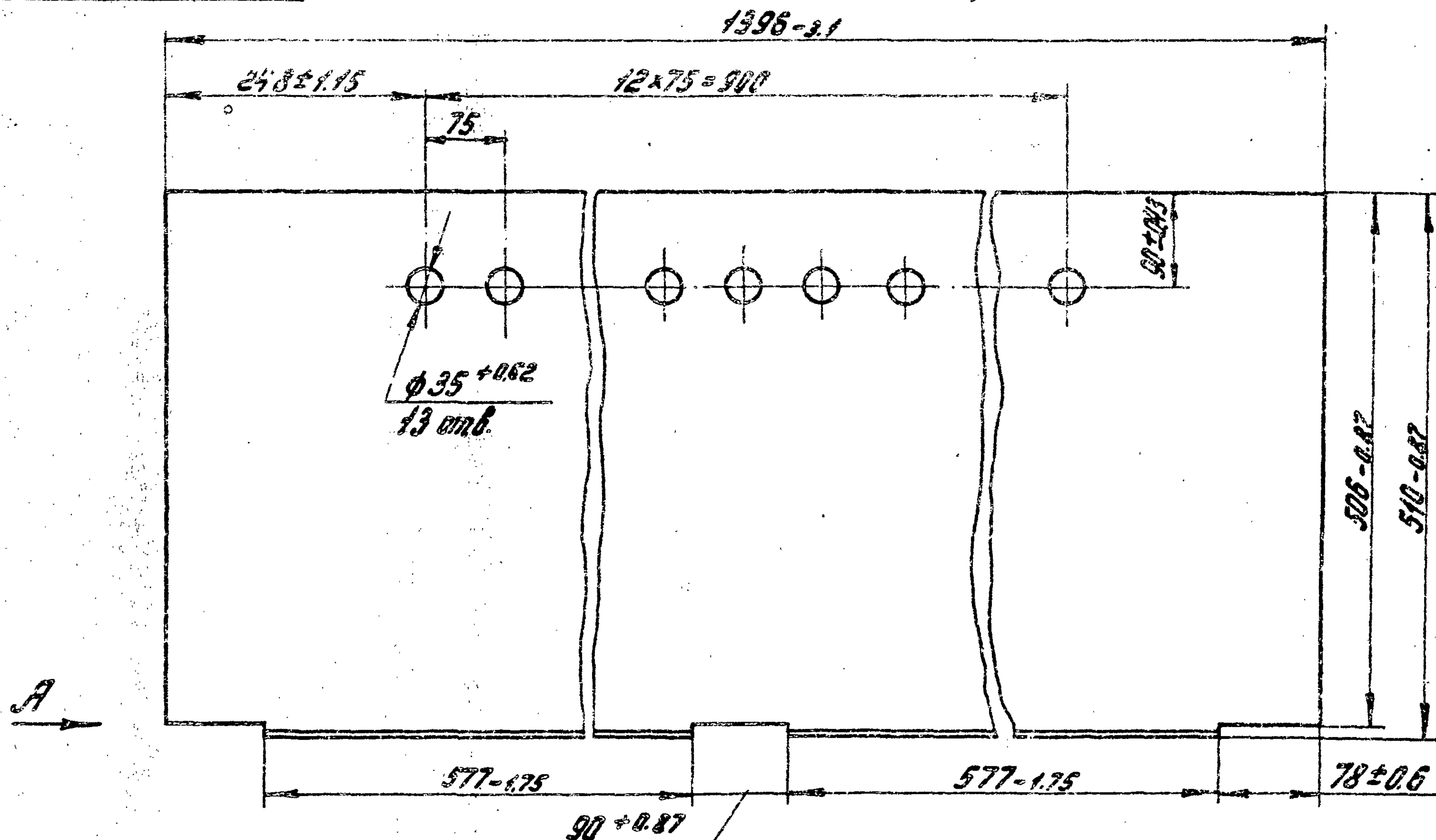
Копировал: Чибриков

18934-03 формат А3

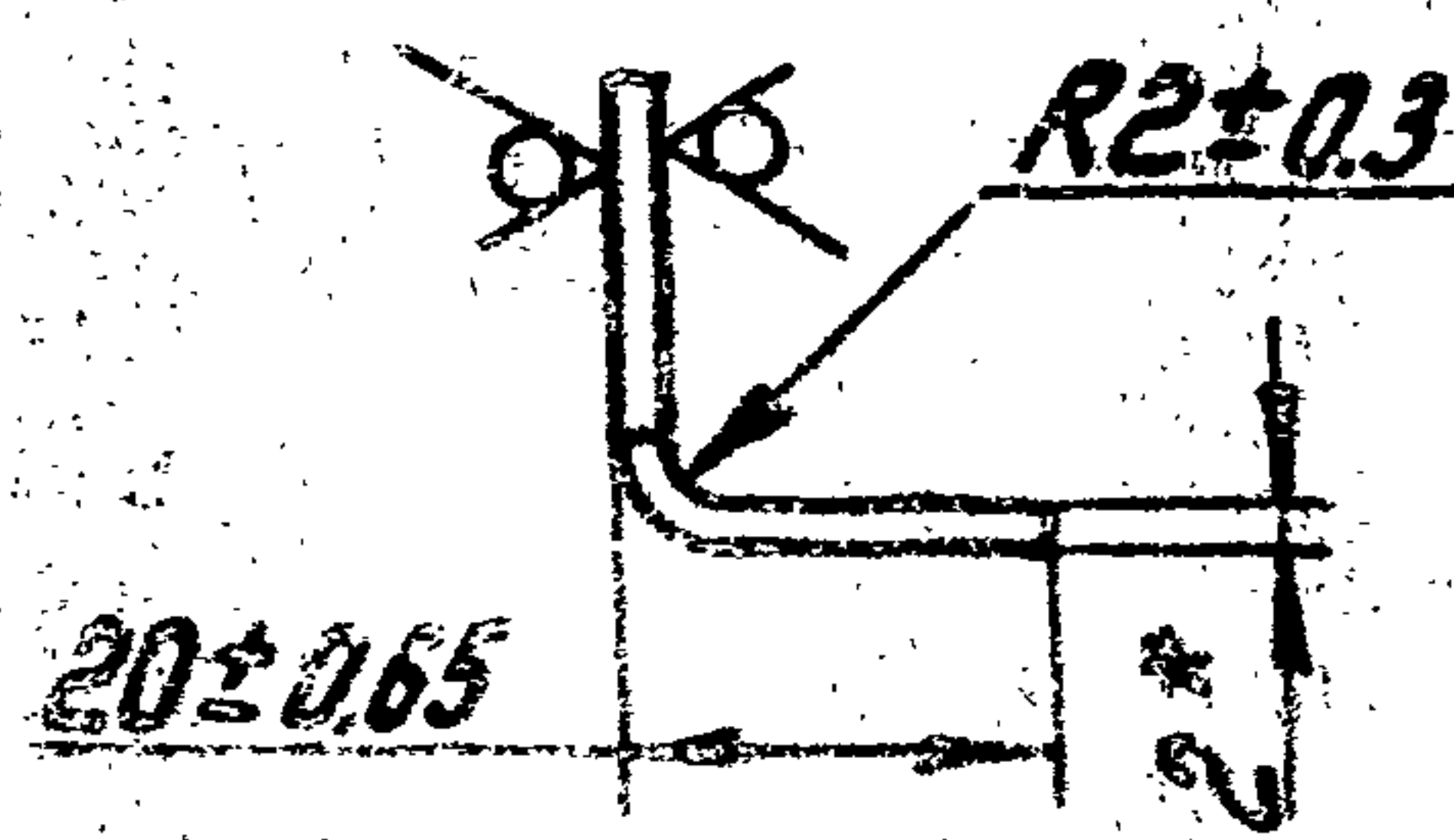
200 10 377

R₂ 80 (✓)

15



Вид А
М 1:1

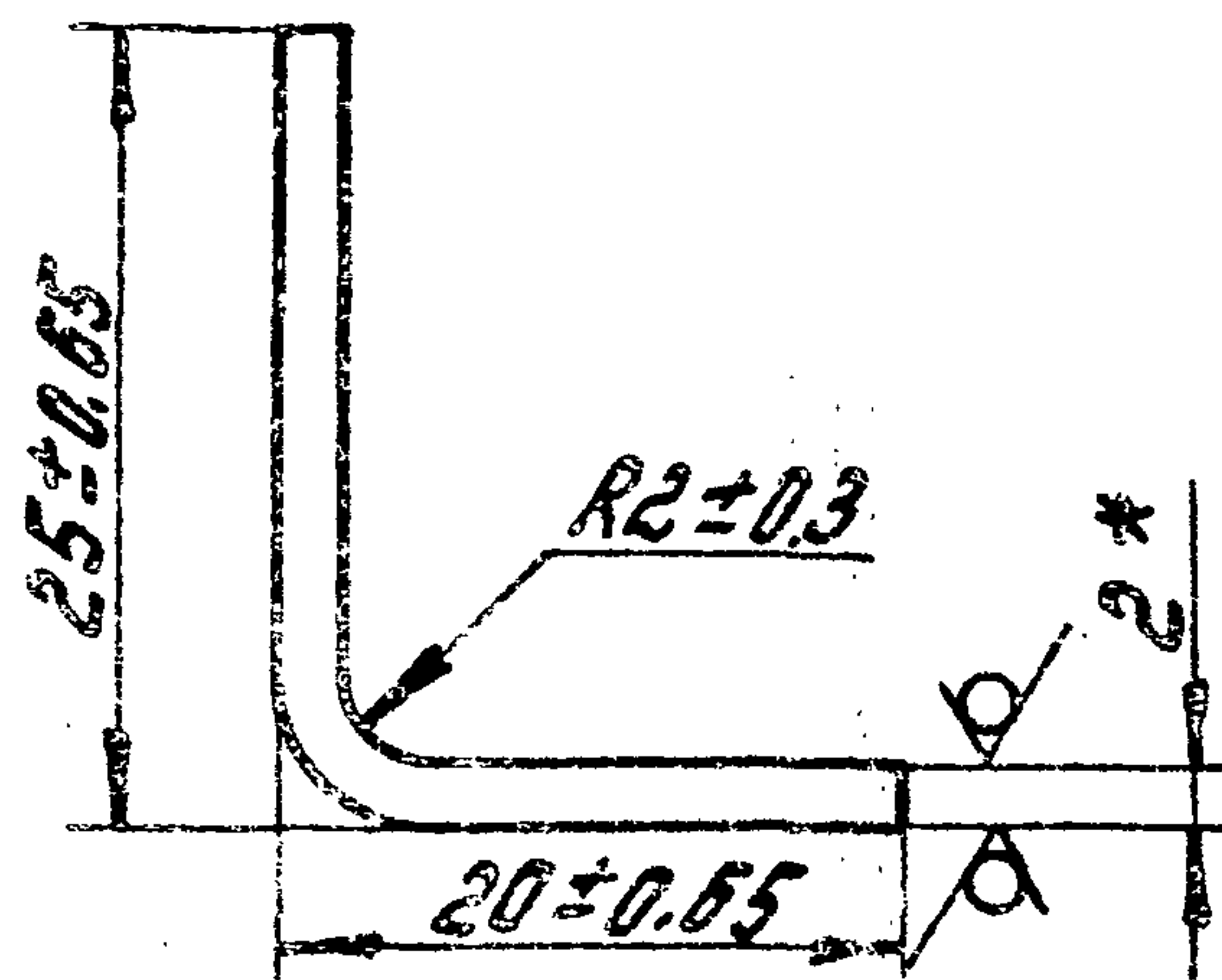


1. * Размер для справок.
2. Предельные отклонения размеров между осями двух любых отверстий ± 0.74 мм.

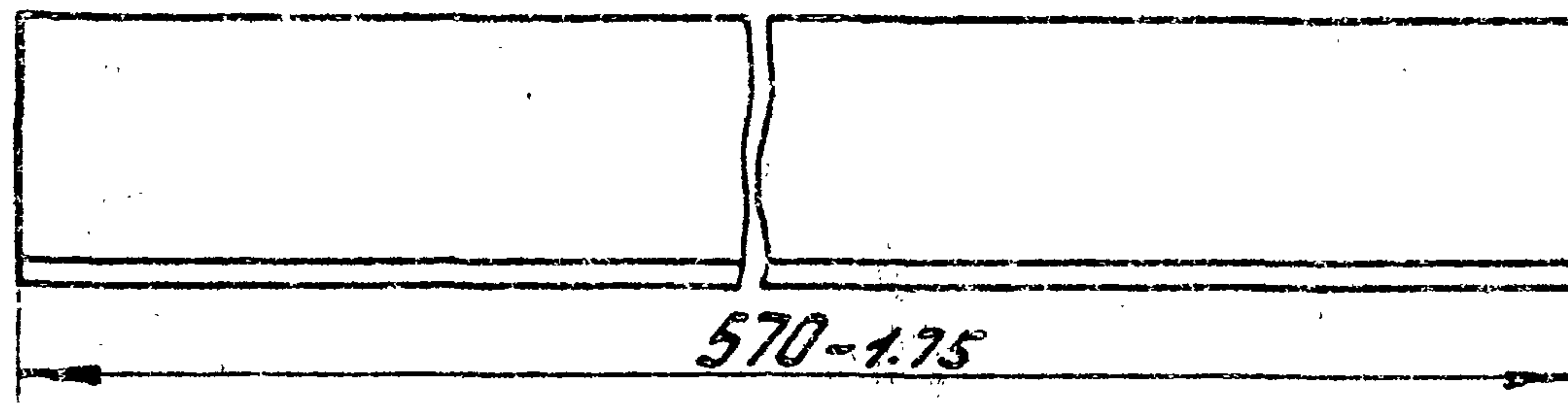
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | </ |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----|

500 10 577

R₂ 60/ (✓)



Вид А
М 1:1



* Размер для справок

Ш.3.01.005

Уголок

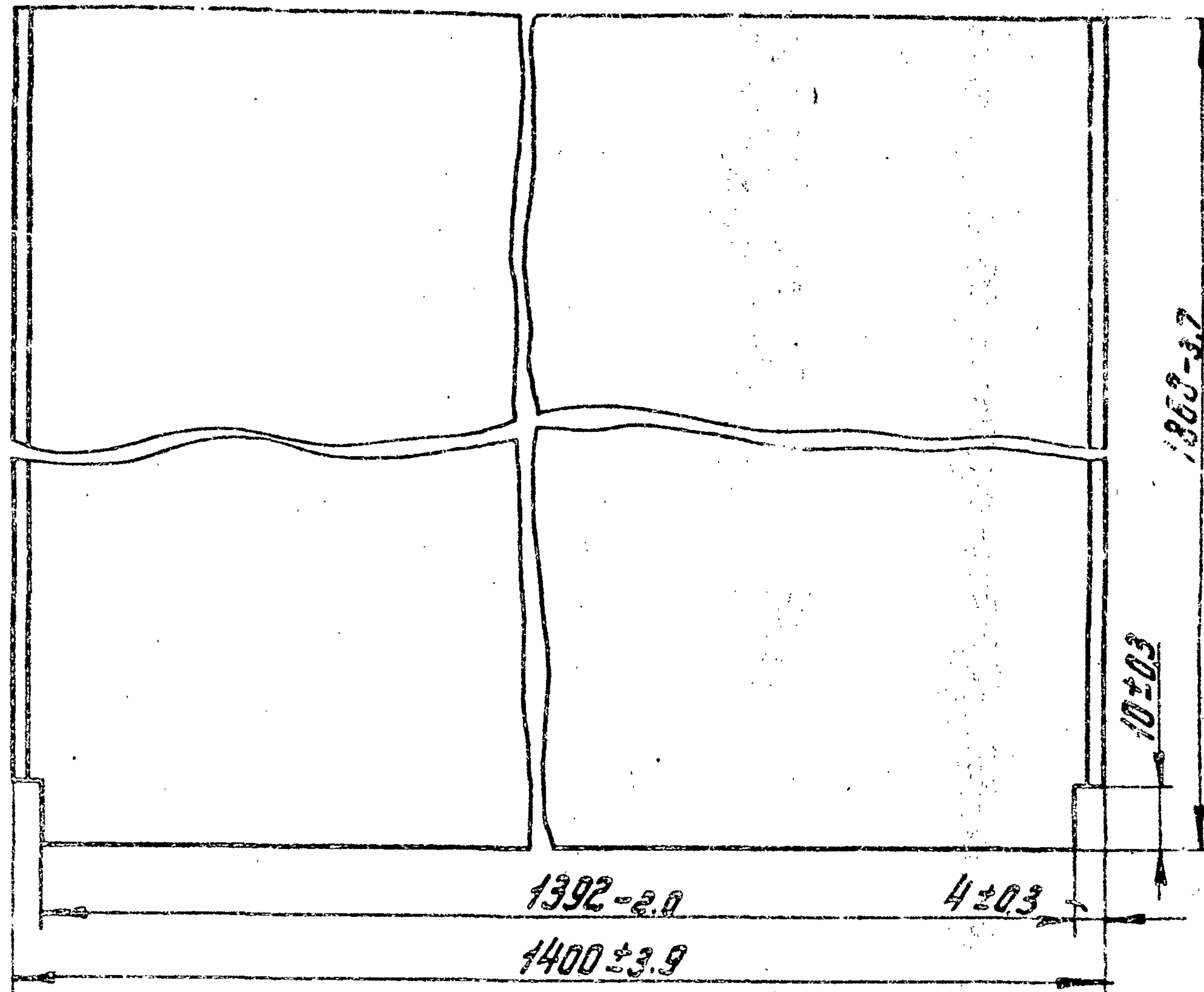
| Лист | Масса | Масштаб |
|----------------------------|--------------------------|---------|
| 037 | 2:1 | |
| Лист | Листов | 1 |
| Б-ПН-2 ГОСТ 19903-74 | СОЮЗГНПРОВОДХОЗ | |
| 4-IV-8 СтЗсп ГОСТ 15523-70 | имени Е.Е. Алексеевского | |
| | г. Москва | |

Копировал: Чибрикина

Формат А4

1100 10 577

R₂ 60/ (✓)



* Размеры для справок

R₂±0.3

2°

Ш.3.01.004

Стенка

| Лист | Масса | Масштаб |
|----------------------------|--------------------------|---------|
| 4,44 | 1:1 | |
| Лист | Листов | 1 |
| Б-ПН-2 ГОСТ 19903-74 | СОЮЗГНПРОВОДХОЗ | |
| 4-IV-8 СтЗсп ГОСТ 15523-70 | имени Е.Е. Алексеевского | |
| | г. Москва | |

Копировал: Чибрикина

18984-03 Формат А4

| Формат | Лист | Лист | Обозначение | Наименование | Кол. | Примечание |
|--------|------|------|----------------|----------------------------|------|------------|
| | | | | <u>Документация</u> | | |
| А3 | | | ШЗ. 02. 100 СБ | Сборочный чертёж | | |
| | | | | <u>Детали</u> | | |
| А4 | 1 | | Ш1. 02. 201 | Пленка | 1 | |
| А4 | 2 | | Ш1. 02. 202 | Ключевина | 1 | |
| А4 | 3 | | Ш1. 02. 204 | Ключ | 3 | |
| А3 | 4 | | Ш1. 02. 205 | Ключевина | 1 | |
| А3 | 5 | | Ш1. 02. 206 | Ручка | 1 | |
| А3 | 7 | | ШЗ. 02. 101 | Втулка | 1 | |
| | | | | <u>Стандартные изделия</u> | | |
| | 10 | | | Винт 2М5х16.58 | | |
| | | | | ГОСТ 17473-80 | 5 | |
| | 11 | | | Шайба 5.65Г | | |
| | | | | ГОСТ 6402-70 | 5 | |

ШЗ. 02. 100

| Лист | № докум | Подп. | Дата |
|------------|-----------|-------|------|
| Разраб. | Поперина | Зам. | 1988 |
| Проб. | Яковлев | Зам. | 1988 |
| Инж. сект. | Купинин | Зам. | 1988 |
| И. контр. | Платинина | Зам. | 1988 |
| Утв. | Васильев | Зам. | 1988 |

Замок

Лит. Лист Листов
1
СООЗГНПРОВОДХОЗ
имени Б.Е. Алексеевского
г. Москва

Копировал: Чибрикина

Формат А4

| Формат | Лист | Лист | Обозначение | Наименование | Кол. | Примечание |
|--------|------|------|----------------|--------------------------|------|------------|
| | | | | <u>Документация</u> | | |
| А3 | | | ШЗ. 02. 000 СБ | Сборочный чертёж | | |
| | | | | <u>Сборочные единицы</u> | | |
| А4 | 1 | | Ш2. 02. 200 | Рукоятка | 2 | |
| А4 | 2 | | ШЗ. 02. 100 | Замок | 1 | |
| А4 | 3 | | ШЗ. 02. 200 | Корпус | 1 | |
| | | | | <u>Детали</u> | | |
| А4 | 6 | | Ш2. 02. 001 | Ось | 2 | |
| А4 | 7 | | Ш2. 02. 002 | Планка | 2 | |
| Б4 | 10 | | ШЗ. 02. 001 | Уплотнение | | |
| | | | | Шнур 3М 10х32 | | |
| | | | | ГОСТ 6467-79 | | |
| | | | | L = 4807 мм | 1 | 2.0 кг |

ШЗ. 02. 000

| Лист | № докум | Подп. | Дата |
|------------|-----------|-------|------|
| Разраб. | Поперина | Зам. | 1988 |
| Проб. | Яковлев | Зам. | 1988 |
| Инж. сект. | Купинин | Зам. | 1988 |
| И. контр. | Платинина | Зам. | 1988 |
| Утв. | Васильев | Зам. | 1988 |

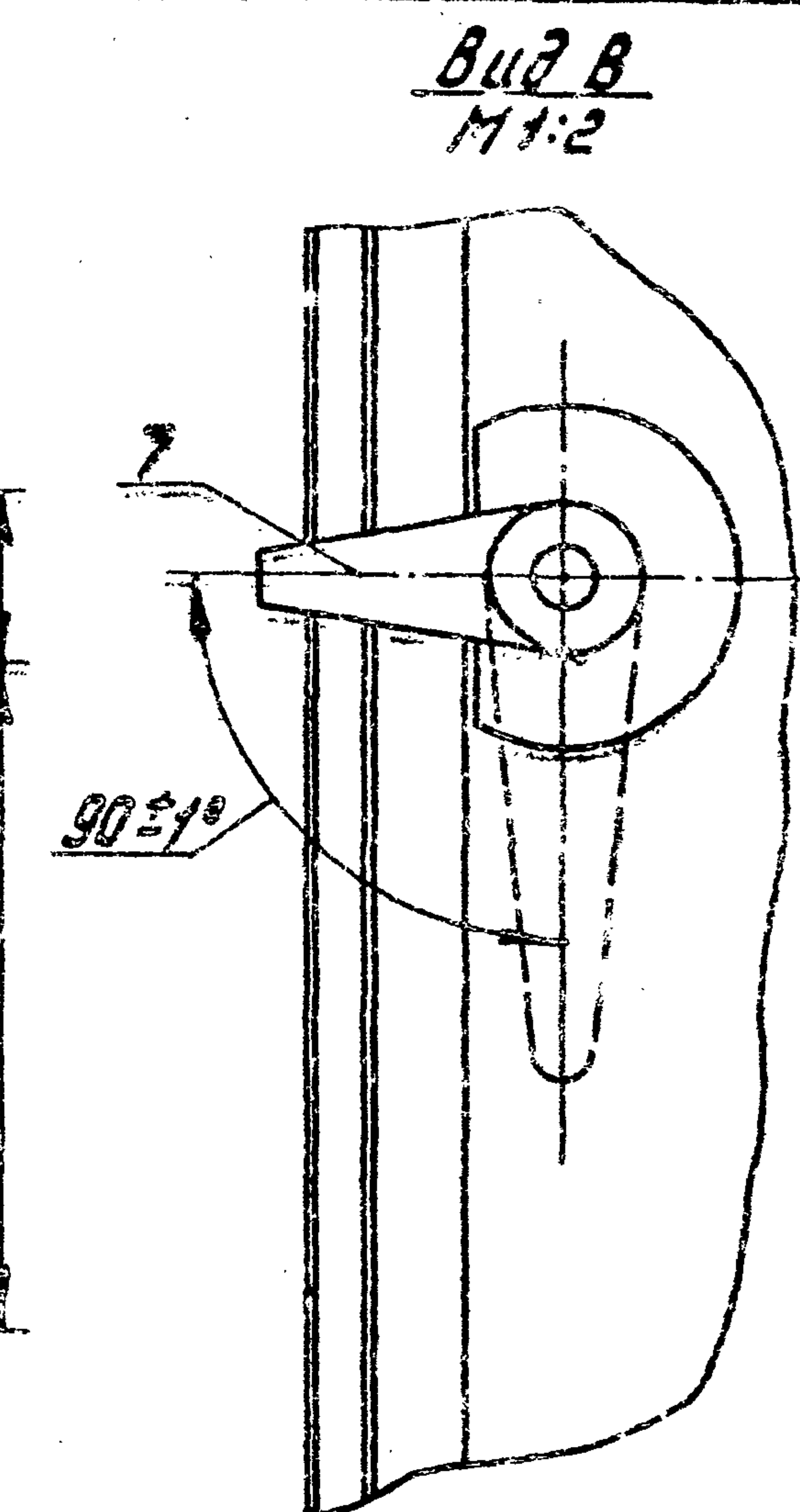
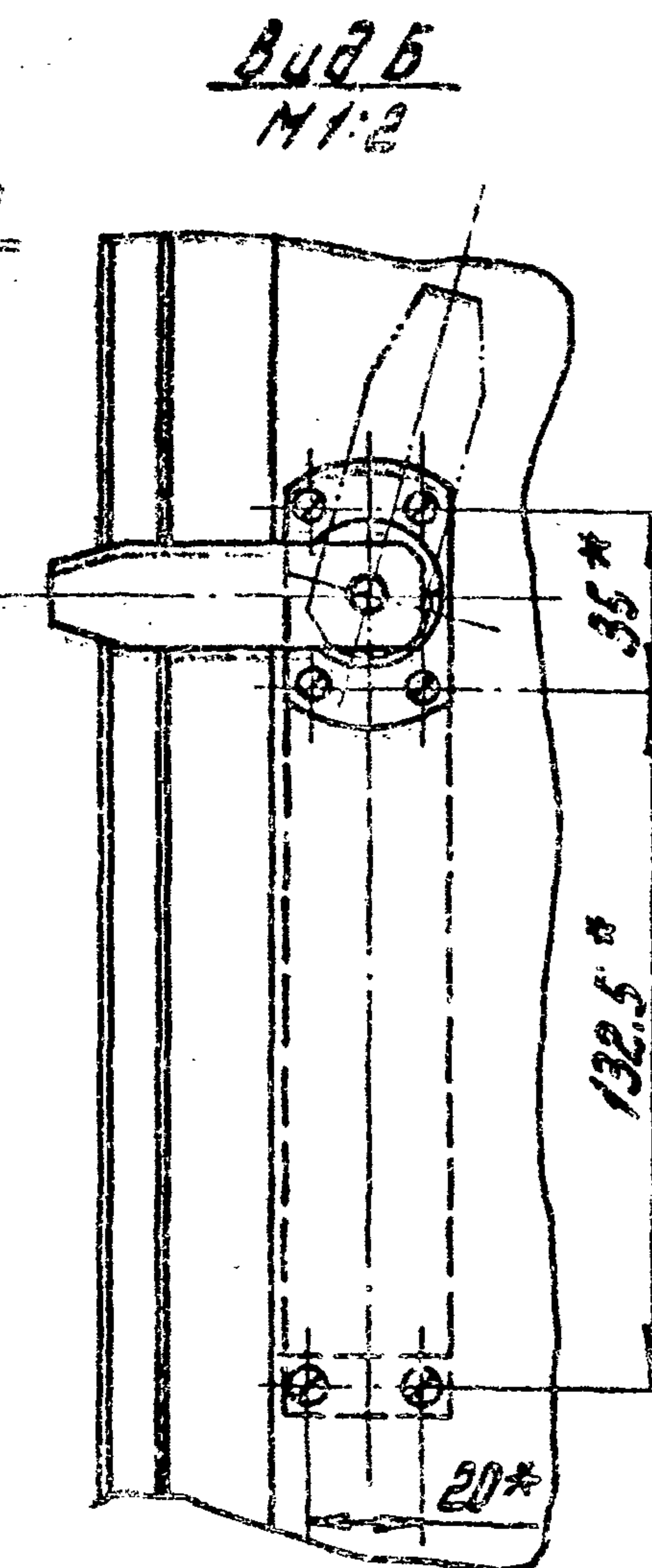
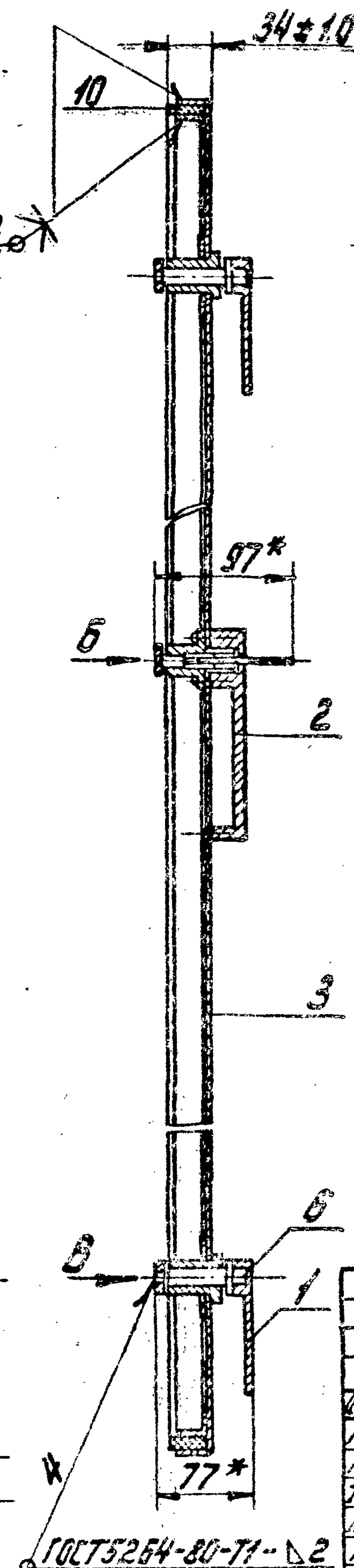
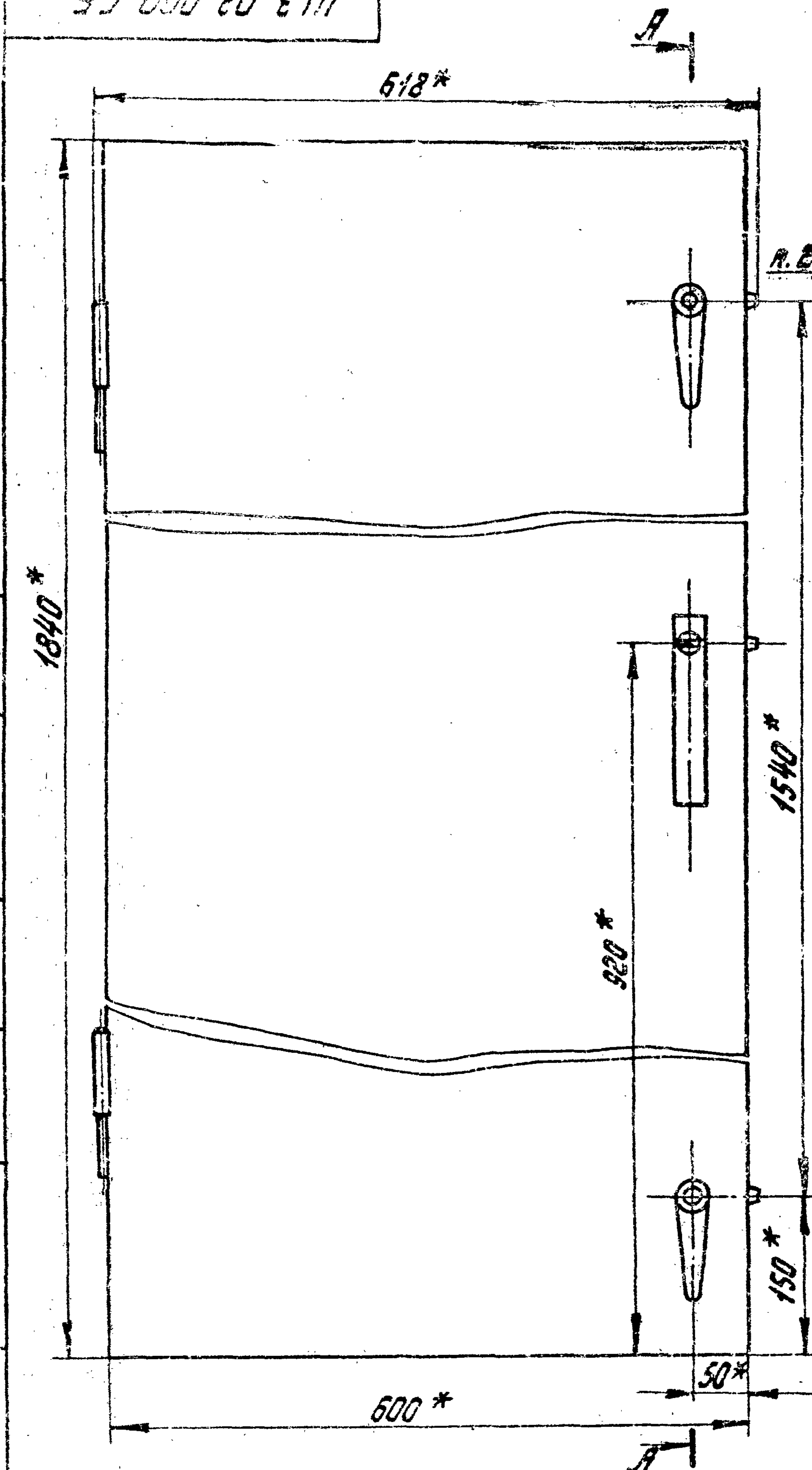
Дверь левая

Лит. Лист Листов
1
СООЗГНПРОВОДХОЗ
имени Б.Е. Алексеевского
г. Москва

Копировал: Чибрикина

12984 03 Формат А4

02.000.05



1. * Размеры для справок.
2. Деталь поз. 10 приклеить к сборке поз. 3 клеем 88Н. ТУ 38-05061-82.
3. Электрод 342 ГОСТ 9467-75.

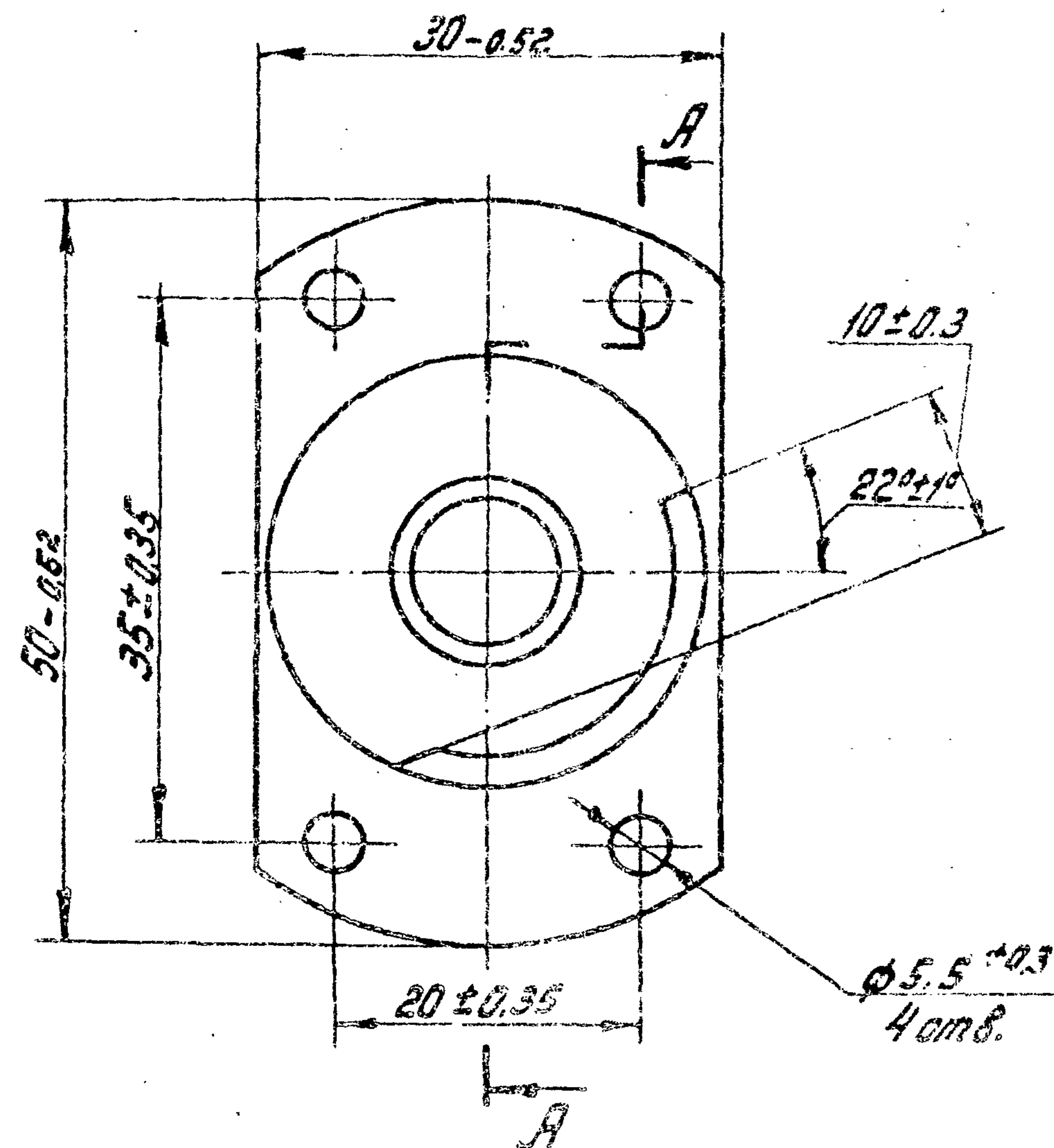
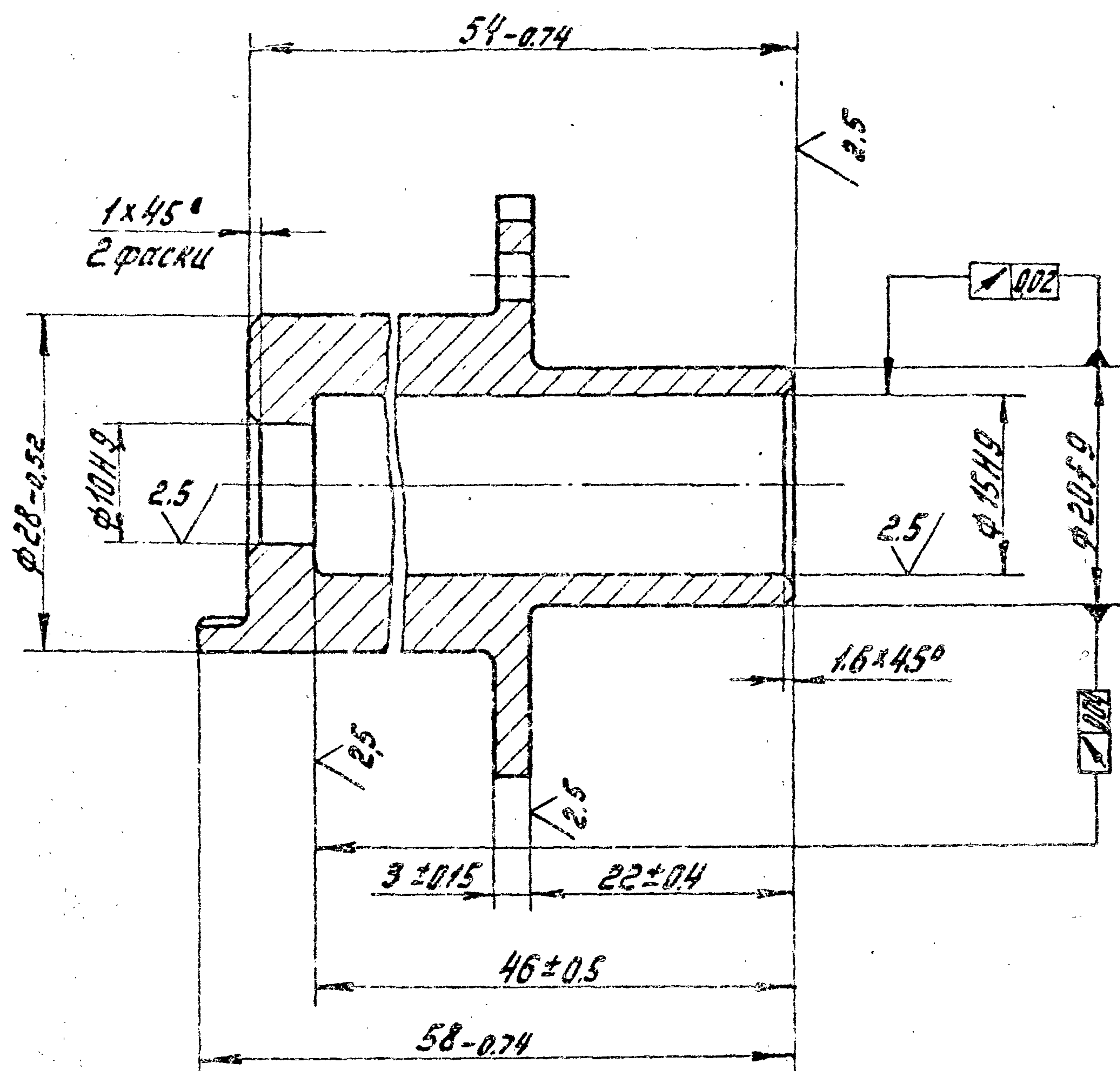
[illegible]

Копировал: Уиборицна

18984-01 620707 JCS

| | | | | | | | |
|----------------------|-----------|----------|----------|------|---|--------|--|
| | | | | | Ш 3.02.100 СБ | | |
| Изм. | Лист | № докум. | Подп. | Дата | <div style="text-align: center;"> <h1>Замок</h1> <h2>Сборочный чертёж</h2> </div> | | |
| Разраб. | Паперкина | В.М. | 16.12.83 | | | | |
| Пров. | Яковлев | И.М. | 17.12.83 | | | | |
| Т. контр. | | | | | | | |
| Нач. сект. | Кулинин | В.М. | 17.12.83 | | | | |
| Н. контр. | Платунина | Л.М. | 17.12.83 | | Лист | Листов | |
| Утв. | Воеводкин | В.М. | 17.12.83 | | СОЗДАНО ВО ВРЕМЯ РАБОТЫ В ЦАГИ И НИИ "МОСКВА" | | |
| Разработал: Чубрикин | | | | | 1984-03. Архив А. | | |

✓



1. Острые кромки притупить R 0,3 мм.
2. Размеры и шероховатость поверхностей после покрытия.
3. Покрытие Х.тв. 30Б.

[illegible]

Копировал: Чубрихина

18984-03 Format AS

СЕР. 3.407.2-135.83

| Лист | Всего листов | Лист | Всего листов | Обозначение | Наименование | Кол. | Примечание |
|------|--------------|------|--------------|--------------|--|------|------------|
| | | | | | <u>Документация</u> | | |
| А1 | | | | ШЗ.03.000 СБ | Сборочный чертеж | | |
| | | | | | <u>Сборочные единицы</u> | | |
| А4 | 1 | | | Ш1.02.200 | Замок | 1 | |
| А4 | 2 | | | Ш2.02.200 | Ручка | 2 | |
| А4 | 3 | | | Ш3.03.100 | Корпус | 1 | |
| | | | | | <u>Детали</u> | | |
| А4 | 5 | | | Ш2.02.001 | Ось | 2 | |
| А4 | 6 | | | Ш2.02.002 | Планка | 2 | |
| Б4 | 9 | | | Ш3.03.005 | Уплотнение Шнур 3М 10x32 ГОСТ 6467-79 L=4900 мм | 1 | 2 кг |

ШЗ.03.000

Дверь
права я

Лит. Лист Листов
1
ГОМЗГНПРОВОДХОЗ
имени Е.Е. Алексеевского
г. Москва

Копировал: Чибрикина

Формат А4

СЕР. 3.407.2-135.83

| Лист | Всего листов | Лист | Всего листов | Обозначение | Наименование | Кол. | Примечание |
|------|--------------|------|--------------|---------------|--------------------------|------|------------|
| | | | | | <u>Документация</u> | | |
| А3 | | | | ШЗ. 02.200 СБ | Сборочный чертеж | | |
| | | | | | <u>Сборочные единицы</u> | | |
| А4 | 1 | | | Ш2.02.110 | Полупетля | 2 | |
| | | | | | <u>Детали</u> | | |
| А4 | 2 | | | Ш2.02.103 | Накладка | 2 | |
| А4 | 3 | | | Ш2.02.104 | Втулка | 2 | |
| А4 | 4 | | | Ш3.02.201 | Корпус | 1 | |
| А3 | 5 | | | Ш3.02.202 | Рамка | 1 | |

ШЗ.02.200

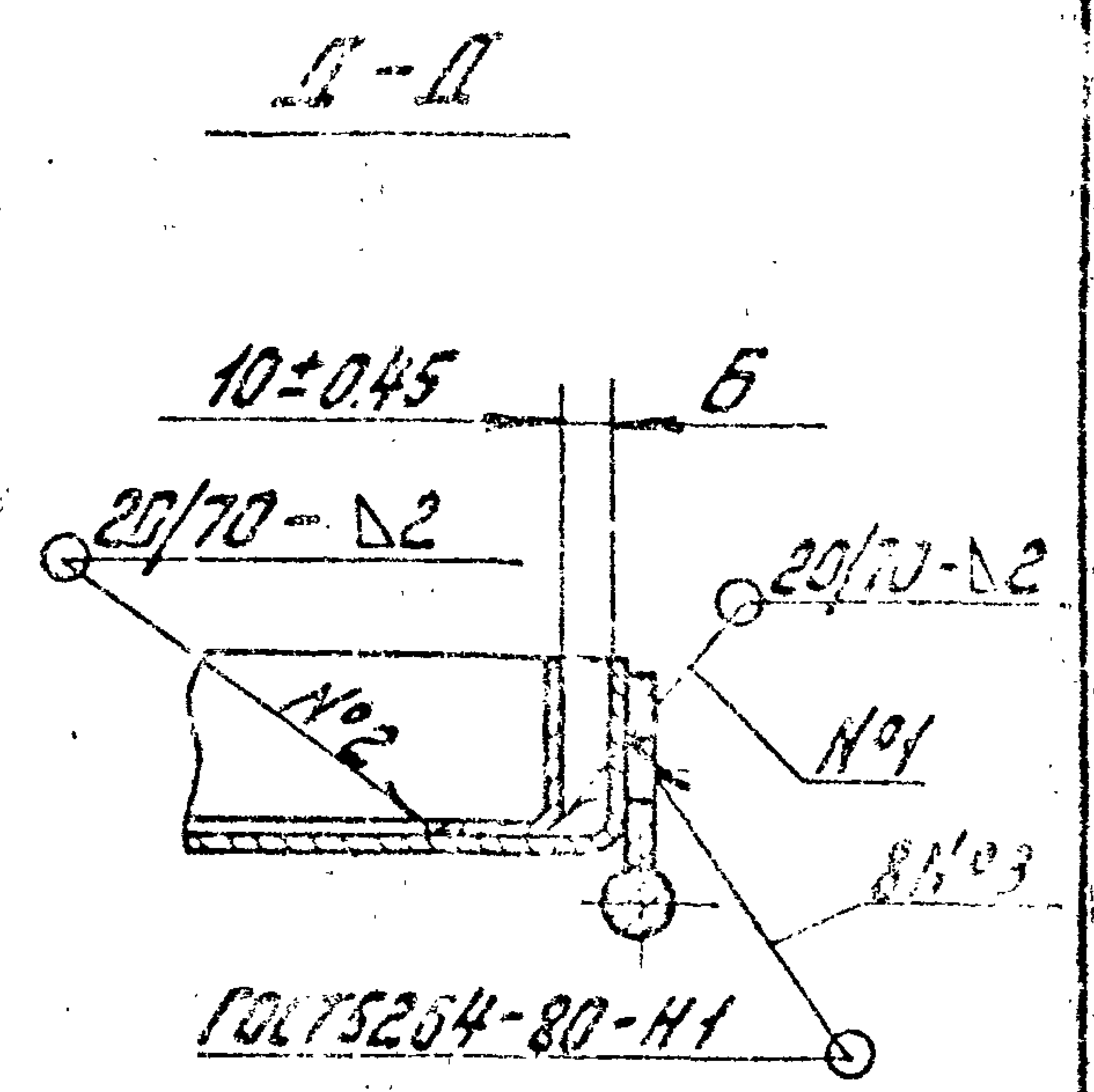
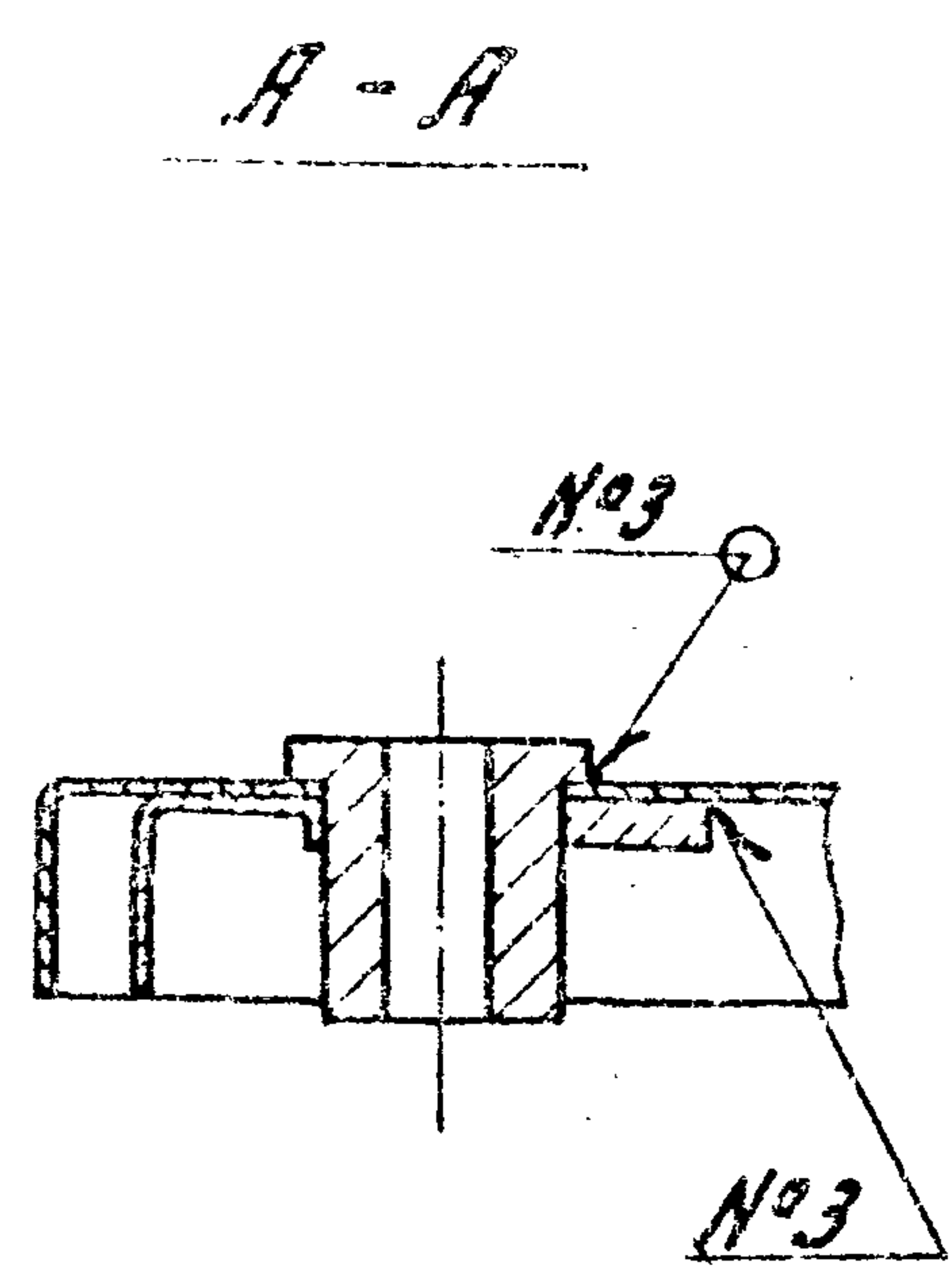
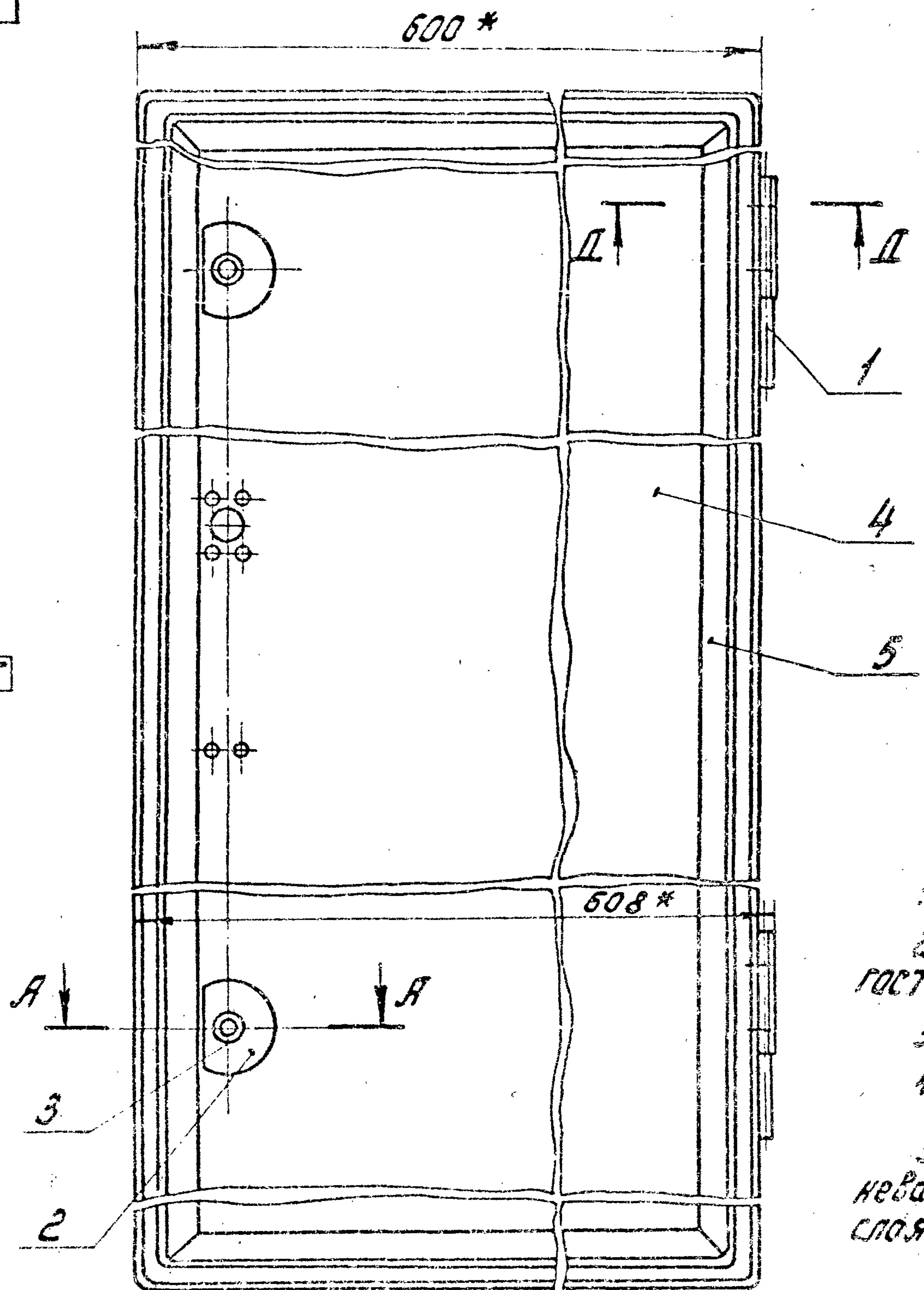
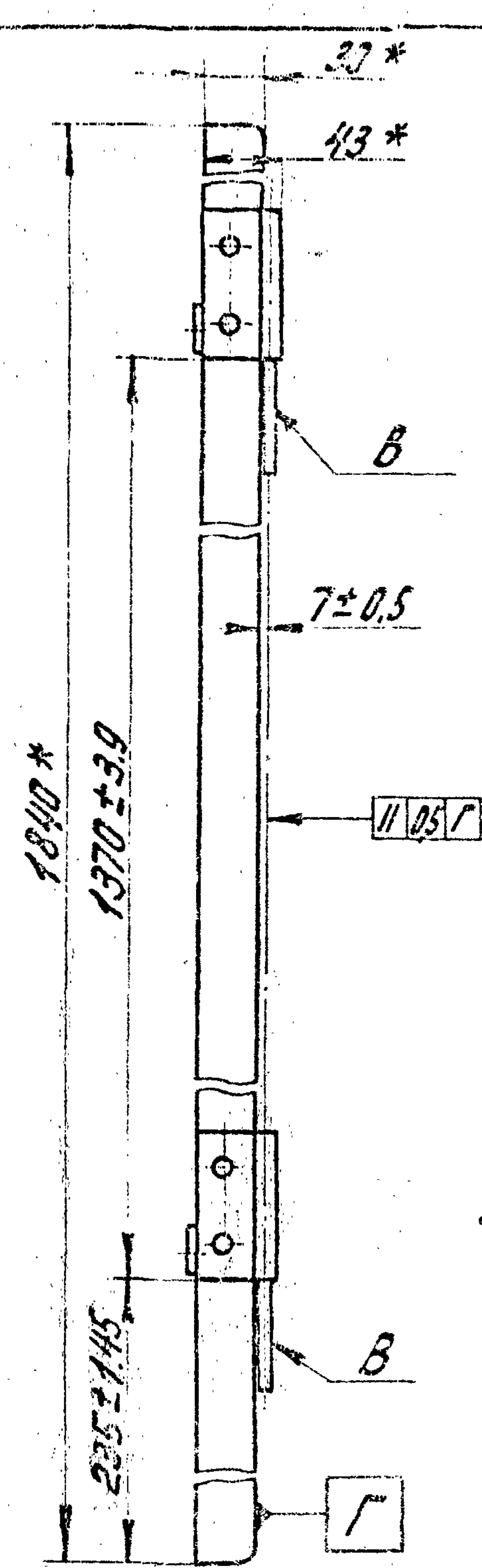
Корпус

ГОМЗГНПРОВОДХОЗ
имени Е.Е. Алексеевского
г. Москва

Копировал: Чибрикина

18984-33 Формат

ШЗ.02.200 СБ



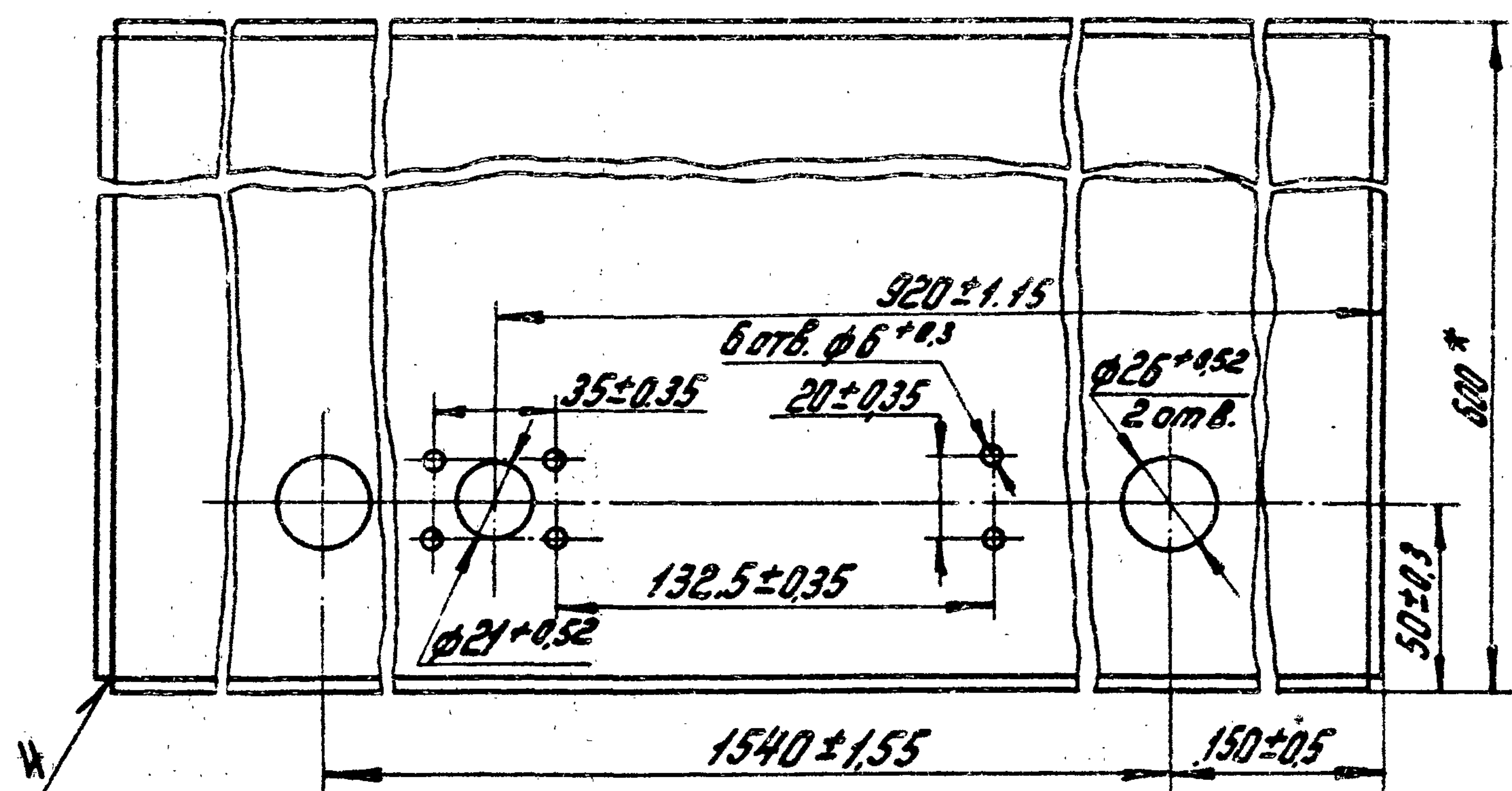
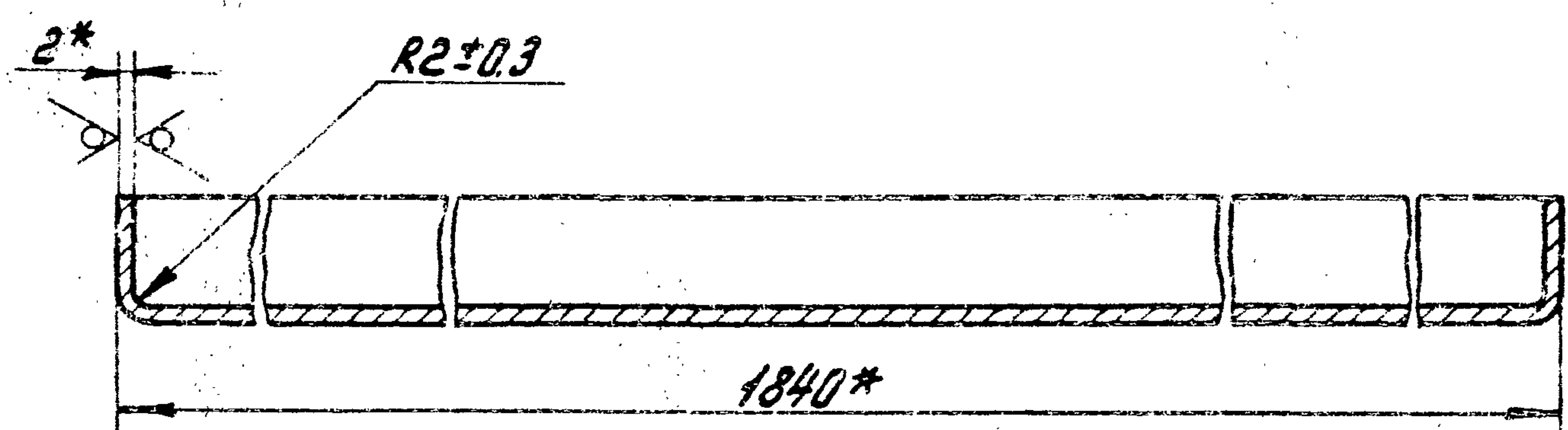
- 1 * Размеры для справок.
2. Сварные швы выполнить электродом Э42 ГОСТ 9467-75.
3. После сварки сборку атрихтовать.
4. Вмятины, выпуклости и перекосы не допускаются.
5. Покрытия поверхностей: грунтовка ПФ-020 красно-коричневая ГОСТ 18186-79, эмаль ПФ-115, серая ГОСТ 6465-76. IV. 4/1 два слоя, кроме паза Б и поверхности В.

| | | | | | | |
|------------|------------|----------|----------|--------------|---|----------|
| | | | | ШЗ.02.200 СБ | | |
| Изм. | Лист | № докум. | Подп. | Дата | Лист | Масса |
| Разраб. | Наперкина | Лав. 4 | 18.06.85 | | 45.2 | 1:2 |
| Пробв. | Яковлев | Дил | 17.06.85 | | | |
| Т. контр. | | | | | Лист | Листов 1 |
| Нач. сект. | Кулинич | В. 1 | 17.06.85 | | СОЮЗГНПРОБРОХОЗ ИМЕНИ Б.А. МОЖЕВСКОГО г. Москва | |
| Н. контр. | Платунина | В. 1 | 17.06.85 | | | |
| Утв. | Воеводский | В. 1 | 17.06.85 | | | |

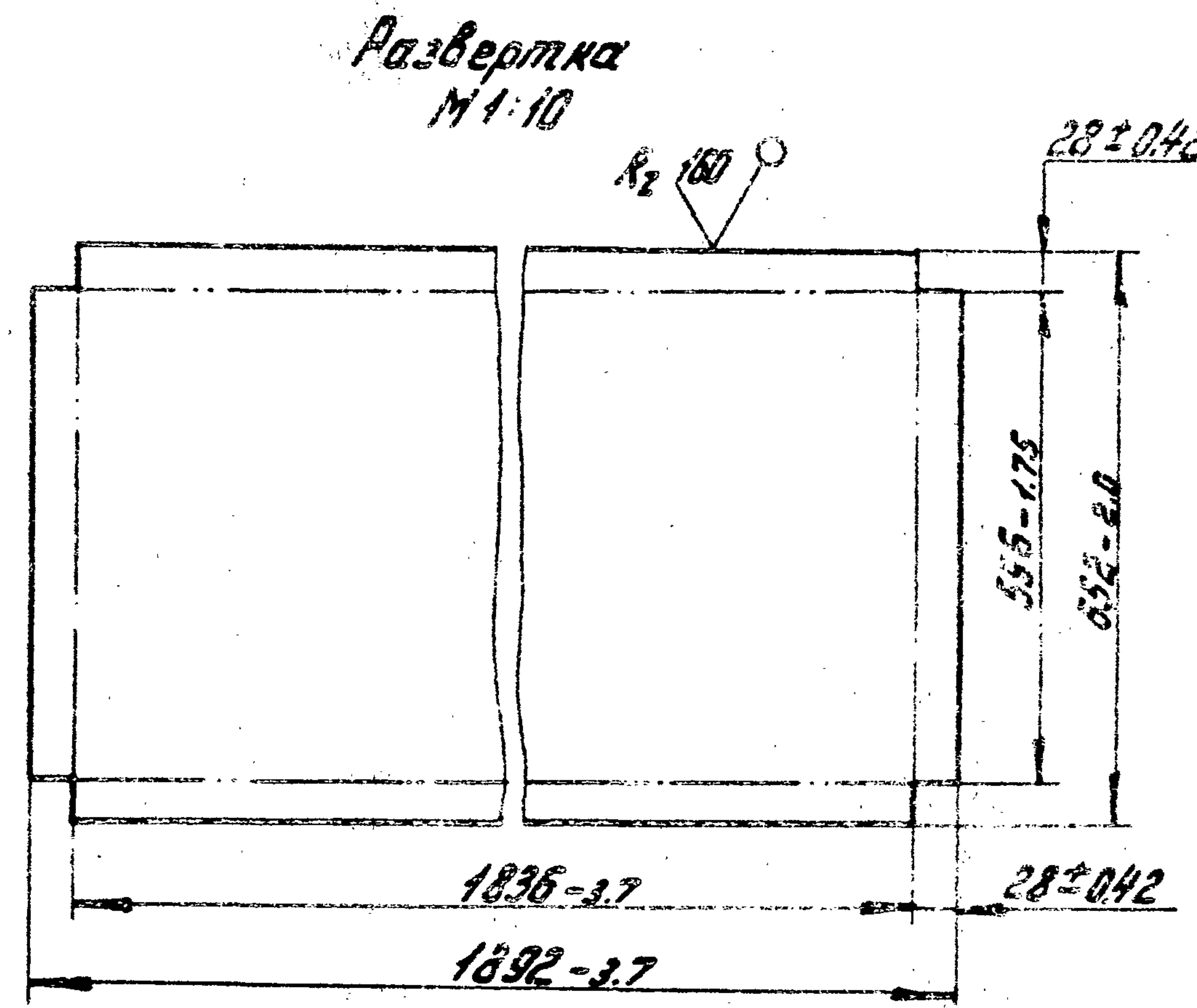
Корпус
Сборочный чертёж

ИЗ.02.201

R₂ 80 ✓(✓)



ГОСТ 5264-80-44

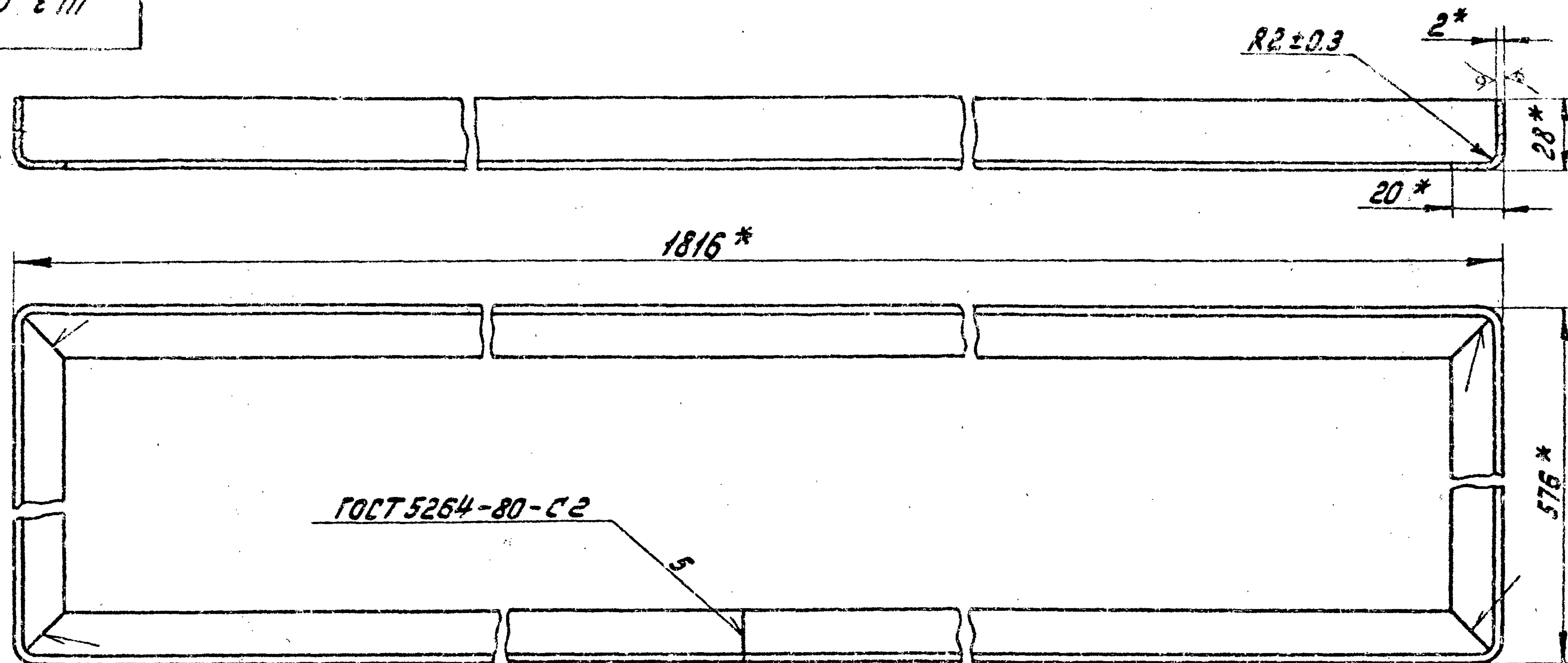


Развертка
М 1:10

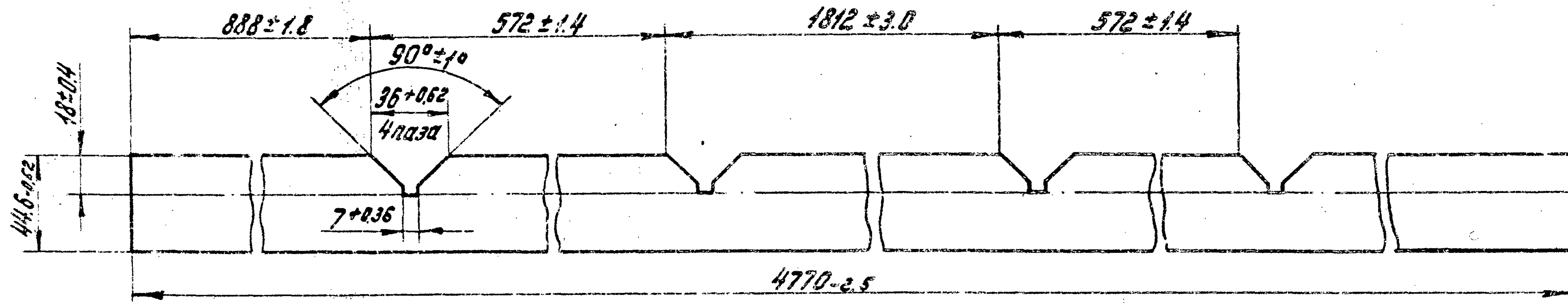
- * Размеры для справок
- Электрод Э42 ГОСТ 9467-75.

| | | | | | | | | |
|------------------------|-----------|-------|----------|--|--|------------------------|----------|----------|
| | | | | | | ИЗ.02.201 | | |
| | | | | | Корпус | Лист | Масса | Начертан |
| Изм. Лист | № докум. | Подп. | Дата | | | | 193 | 1:2 |
| Разраб. | Паперина | Хася | 16.05.83 | | | | | |
| Проб. | Яковлев | Дит | 17.05.83 | | | | | |
| Т. контр. | | | | | | Лист | Листов 1 | |
| Нач. сект. | Кузнецов | И.И. | 17.05.83 | | Лист Б-ПН-2 ГОСТ 19903-74 4-П-8 Ст 3 по ГОСТ 16523-70 | ГОСТ 16523-70 | | |
| Н. контр. | Платушина | В.И. | 17.05.83 | | | Имена | | |
| Утв. | Васильев | В.И. | 17.05.83 | | | | | |
| Копировал И.И. Брикман | | | | | | 18.08.84 03 Проект Л.3 | | |

Ш.3.02.202



Развертка



1. * Размеры для справок.
2. Электрод Э42 ГОСТ 9467-75.

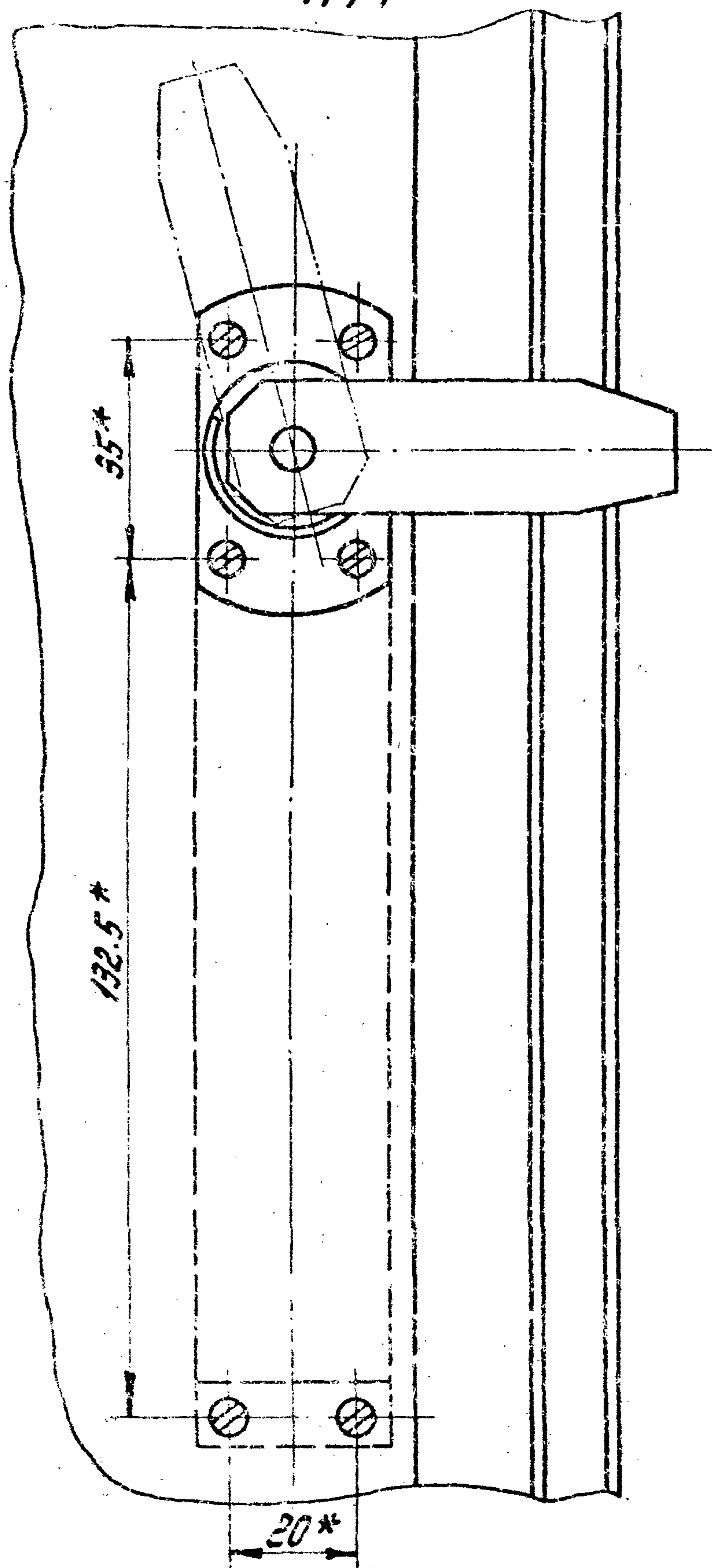
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

Кондропол: Чибрикина

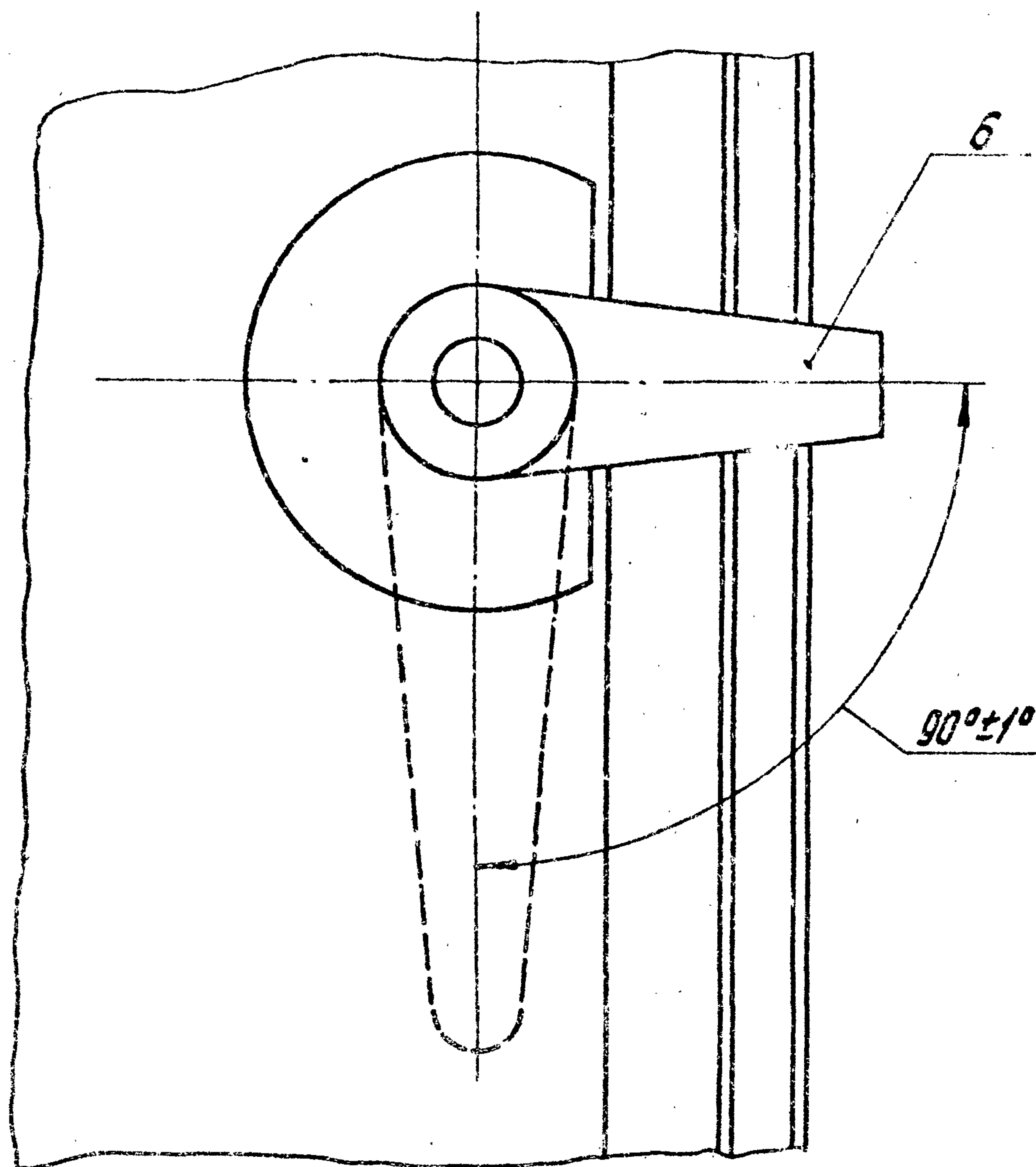
18984-03 Формат А3

ШЗ.03.000.СБ

Вид В
М 1:1



Вид В
М 1:1



| | |
|--------------|-------|
| ШЗ.03.000.СБ | Лист |
| № докум. | Подп. |
| Дата | |

ШЗ.03.000.СБ

Лист
2

Копировал: Чибрикова

18984-03 Формат А3

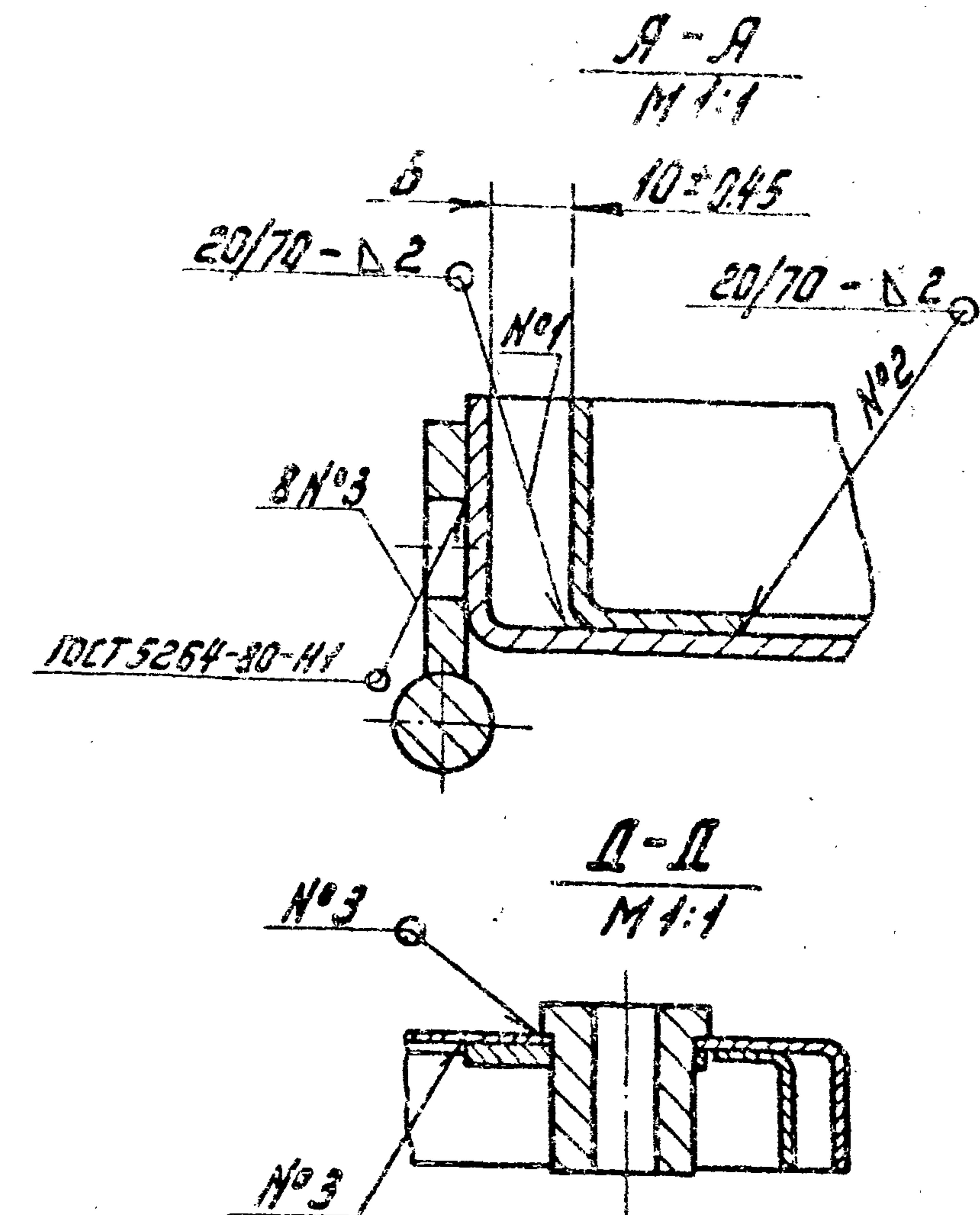
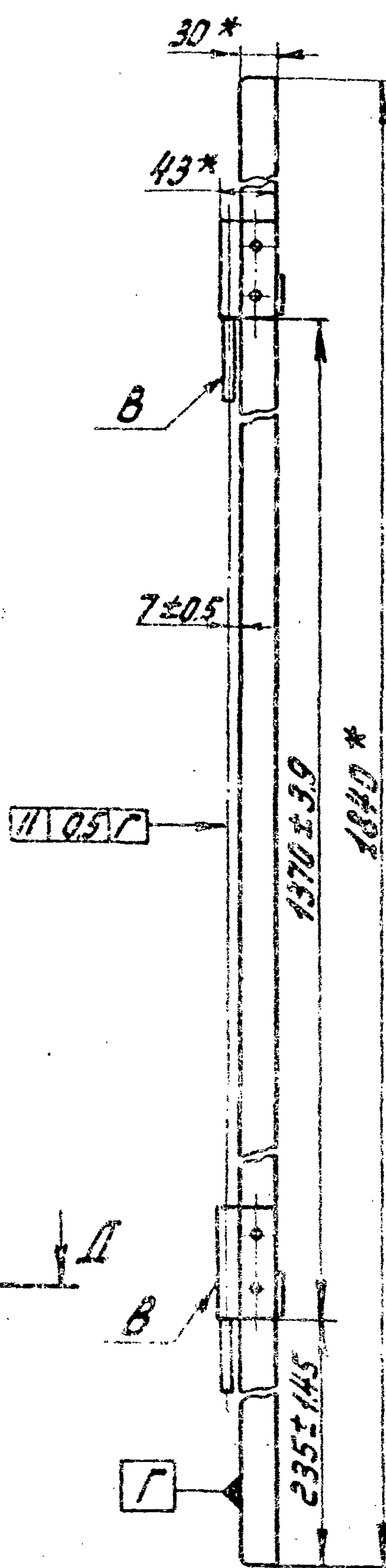
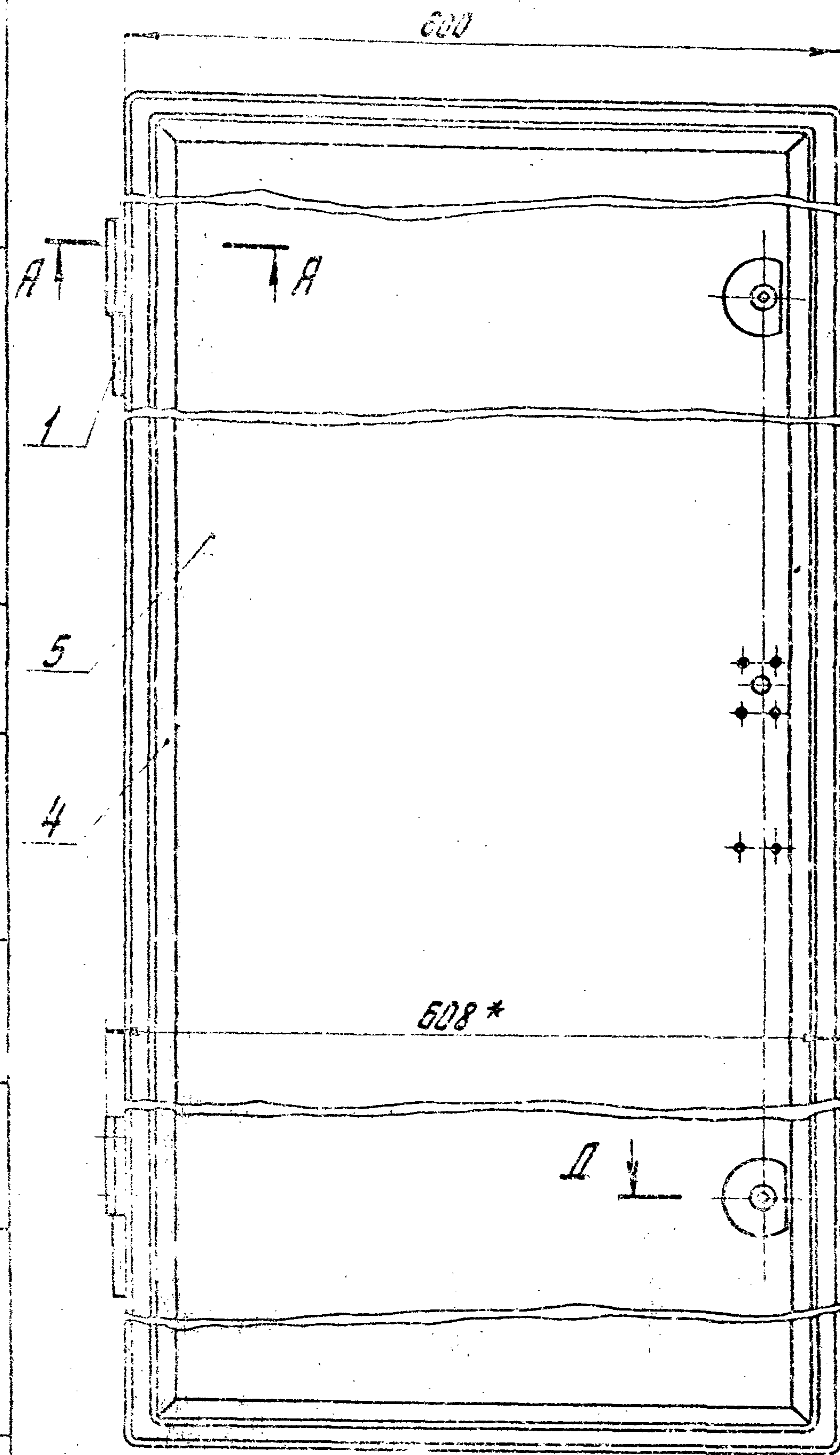
[illegible]

| № п.п. | Подп. и дата | Взам. инв. № | Инв. № учета | Подп. и дата |
|--------|--------------|--------------|--------------|--------------|
|--------|--------------|--------------|--------------|--------------|

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|
| 1944 | 1945 | 1946 | 1947 | 1948 | 1949 | 1950 | 1951 | 1952 | 1953 | 1954 | 1955 | 1956 | 1957 | 1958 | 1959 | 1960 | 1961 | 1962 | 1963 | 1964 | 1965 | 1966 | 1967 | 1968 | 1969 | 1970 | 1971 | 1972 | 1973 | 1974 | 1975 | 1976 | 1977 | 1978 | 1979 | 1980 | 1981 | 1982 | 1983 | 1984 | 1985 | 1986 | 1987 | 1988 | 1989 | 1990 | 1991 | 1992 | 1993 | 1994 | 1995 | 1996 | 1997 | 1998 | 1999 | 2000 | 2001 | 2002 | 2003 | 2004 | 2005 | 2006 | 2007 | 2008 | 2009 | 2010 | 2011 | 2012 | 2013 | 2014 | 2015 | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 | 2020 | 2021 | 2022 | 2023 | 2024 | 2025 | 2026 | 2027 | 2028 | 2029 | 2030 | 2031 | 2032 | 2033 | 2034 | 2035 | 2036 | 2037 | 2038 | 2039 | 2040 | 2041 | 2042 | 2043 | 2044 | 2045 | 2046 | 2047 | 2048 | 2049 | 2050 | 2051 | 2052 | 2053 | 2054 | 2055 | 2056 | 2057 | 2058 | 2059 | 2060 | 2061 | 2062 | 2063 | 2064 | 2065 | 2066 | 2067 | 2068 | 2069 | 2070 | 2071 | 2072 | 2073 | 2074 | 2075 | 2076 | 2077 | 2078 | 2079 | 2080 | 2081 | 2082 | 2083 | 2084 | 2085 | 2086 | 2087 | 2088 | 2089 | 2090 | 2091 | 2092 | 2093 | 2094 | 2095 | 2096 | 2097 | 2098 | 2099 | 2100 |
| 1944 | 1945 | 1946 | 1947 | 1948 | 1949 | 1950 | 1951 | 1952 | 1953 | 1954 | 1955 | 1956 | 1957 | 1958 | 1959 | 1960 | 1961 | 1962 | 1963 | 1964 | 1965 | 1966 | 1967 | 1968 | 1969 | 1970 | 1971 | 1972 | 1973 | 1974 | 1975 | 1976 | 1977 | 1978 | 1979 | 1980 | 1981 | 1982 | 1983 | 1984 | 1985 | 1986 | 1987 | 1988 | 1989 | 1990 | 1991 | 1992 | 1993 | 1994 | 1995 | 1996 | 1997 | 1998 | 1999 | 2000 | 2001 | 2002 | 2003 | 2004 | 2005 | 2006 | 2007 | 2008 | 2009 | 2010 | 2011 | 2012 | 2013 | 2014 | 2015 | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 | 2020 | 2021 | 2022 | 2023 | 2024 | 2025 | 2026 | 2027 | 2028 | 2029 | 2030 | 2031 | 2032 | 2033 | 2034 | 2035 | 2036 | 2037 | 2038 | 2039 | 2040 | 2041 | 2042 | 2043 | 2044 | 2045 | 2046 | 2047 | 2048 | 2049 | 2050 | 2051 | 2052 | 2053 | 2054 | 2055 | 2056 | 2057 | 2058 | 2059 | 2060 | 2061 | 2062 | 2063 | 2064 | 2065 | 2066 | 2067 | 2068 | 2069 | 2070 | 2071 | 2072 | 2073 | 2074 | 2075 | 2076 | 2077 | 2078 | 2079 | 2080 | 2081 | 2082 | 2083 | 2084 | 2085 | 2086 | 2087 | 2088 | 2089 | 2090 | 2091 | 2092 | 2093 | 2094 | 2095 | 2096 | 2097 | 2098 | 2099 | 2100 |

Композит. 3.6. 1944

ЩЗ.03.100СБ

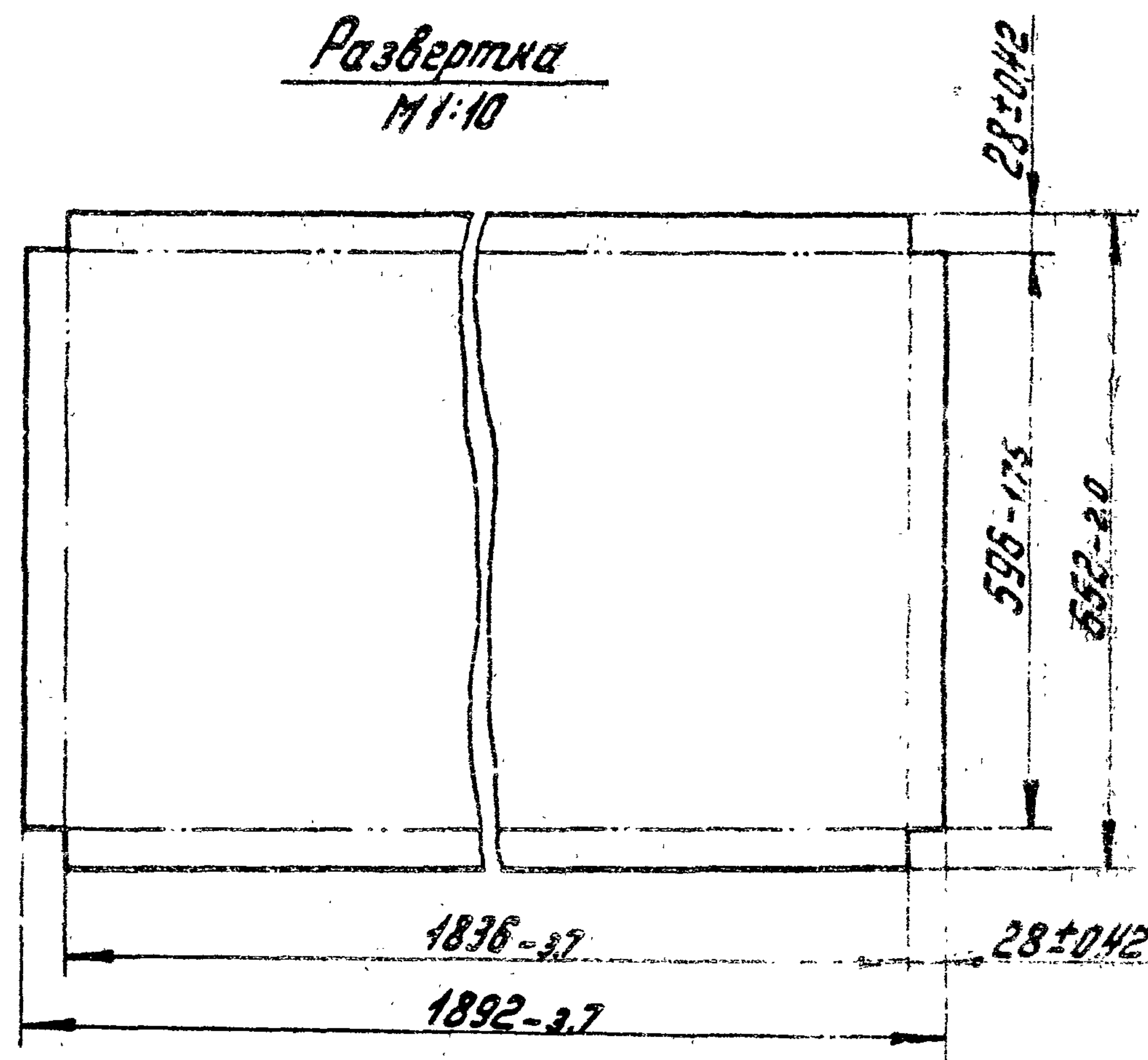
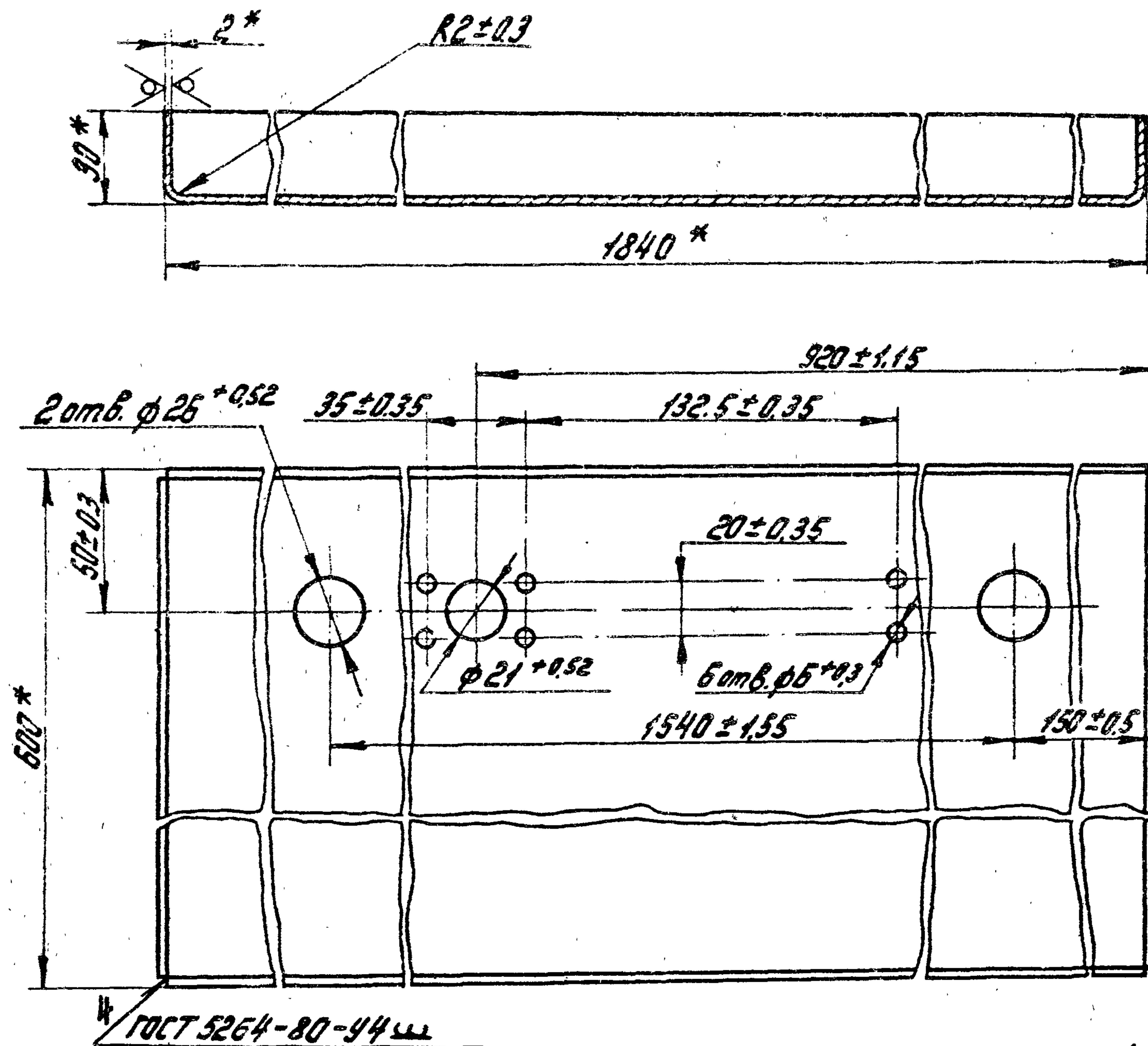


1. Размеры для справок.
2. Сварные швы выполнить электродом Э42 ГОСТ 9467-75.
3. После сварки сборку отшлифовать.
4. Вмятины, выпуклости и перекосы не допускаются.
5. Покрытие поверхностей: грунтовка ПФ-020 красно-коричневая ГОСТ 18185-79, эмаль ПФ-115 серая ГОСТ 6465-75 IV, 4/1, два слоя, кроме лаза Б и поверхности В.

| | | | | | | | |
|----------|-----------|-----------|-----------|-----------|------------------------|--------|----|
| | | | | | ЩЗ.03.100СБ | | |
| Изм. | Лист | № | Воким | Подп. | Корпус | | |
| Разраб. | Паперина | Намусов | Григорьев | Данилов | | | |
| Пров. | Яковлев | Чайков | Яков | Яков | Сборочный чертёж | | |
| Т.контр. | Кулинич | Кулинич | Кулинич | Кулинич | | | |
| Н.контр. | Платунина | Платунина | Платунина | Платунина | Лит. Масса Масштаб | | |
| Утв. | Воробей | Воробей | Воробей | Воробей | | | |
| | | | | | Лист | Листов | 31 |
| | | | | | Союзгипроводхоз | | |
| | | | | | имени Е.А.Александрова | | |
| | | | | | г. Москва | | |

ШЗ. 03. 101

Rz 80 (✓)



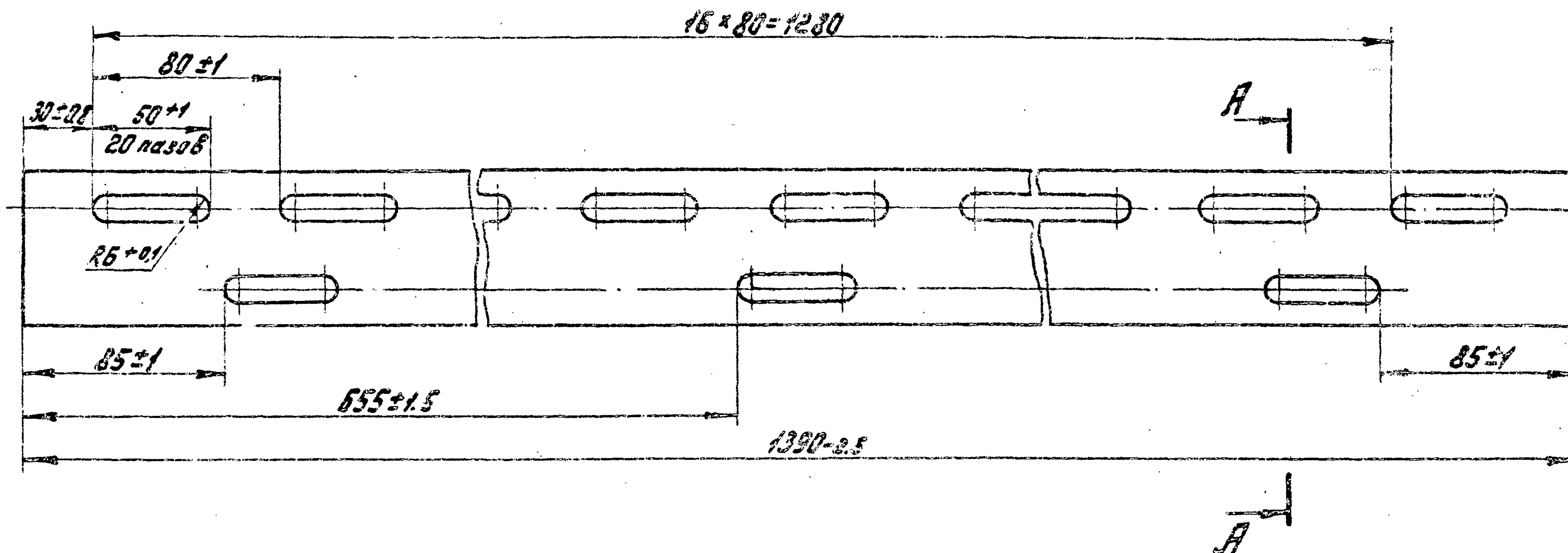
- * Размеры для справок.
- Электрод Э42 ГОСТ 9467-75

| | | | | | | |
|------------|----------|------|------|---------------------------|-------|---------|
| | | | | ШЗ. 03. 101 | | |
| Изм. | Лист | Изд. | Лист | Лит. | Масса | Масштаб |
| Разраб. | Паперина | Изм. | Лист | | 193 | 1:2 |
| Пров. | Яковлев | Изм. | Лист | | | |
| Т. контр. | | | | | | |
| Нац. сект. | Кулинин | Изм. | Лист | | | |
| И. контр. | Лопатин | Изм. | Лист | | | |
| Утв. | Борисов | Изм. | Лист | | | |
| | | | | Корпус | | |
| | | | | Лист 5-ПН-2 ГОСТ 19903-74 | | |
| | | | | 4IV-В ст 3 ГОСТ 16523-70 | | |
| | | | | СООЗГМРДЗДХДЗ | | |
| | | | | ИМЗ | | |
| | | | | 18984-03 Формат А3 | | |

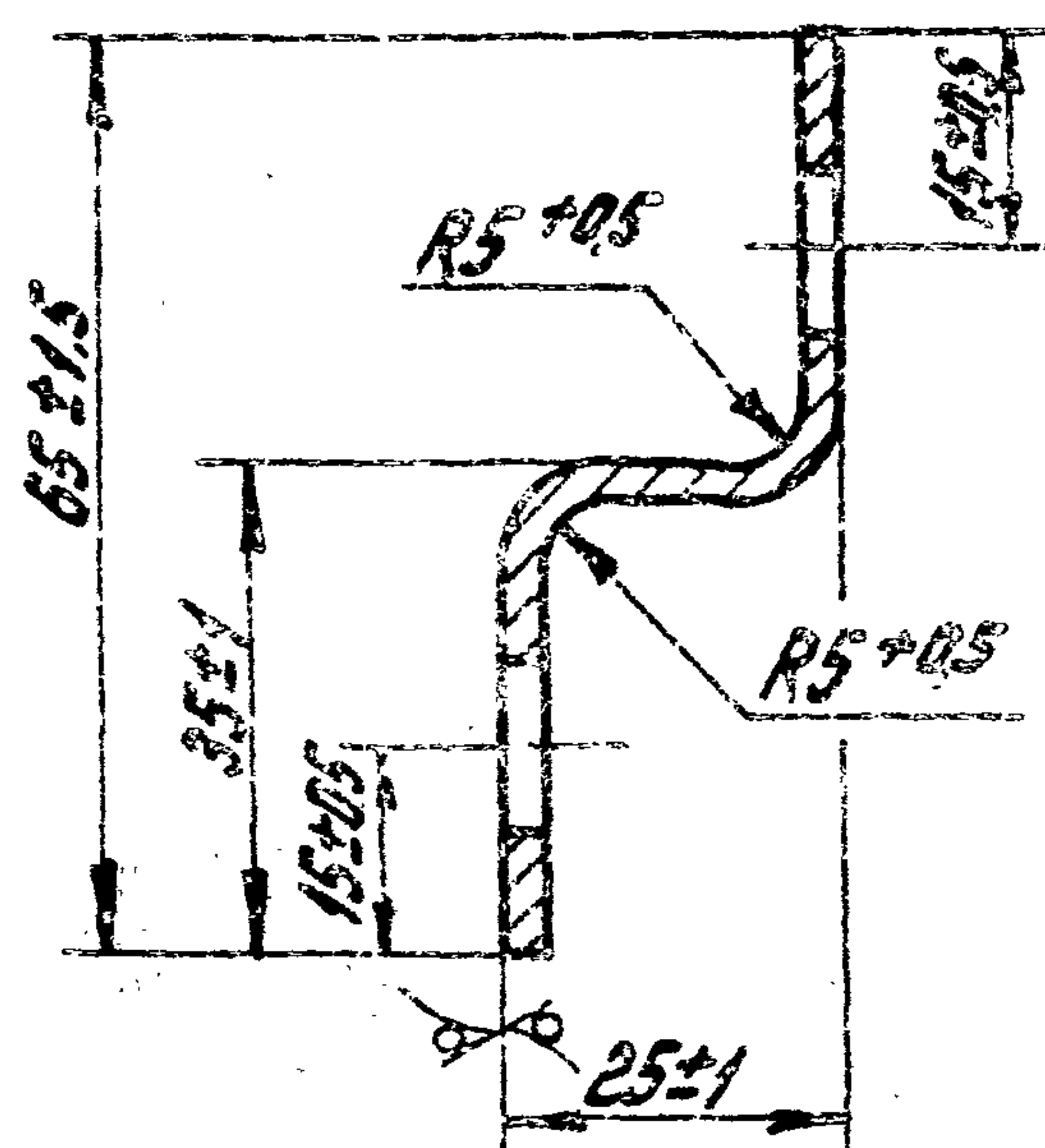
Холщовая: Чибрикина

100.00.677

К214 (✓)



A-A
1:1



Допускаемое отклонение на суммарный шаг между двумя любыми лезвиями расположенными на одной оси ± 15 мм

| ИЗМ. Лист | | | | ИЗМ. Лист | | |
|------------|-----------|-----|------|-----------|----------|-----|
| Изм. Лист | № докум. | Код | Дата | Изм. Лист | № докум. | Код |
| Разработ. | Куликов | | | Изм. Лист | № докум. | Код |
| Проект. | Скоблев | | | Изм. Лист | № докум. | Код |
| Т. констр. | | | | Изм. Лист | № докум. | Код |
| Исполн. | Куликов | | | Изм. Лист | № докум. | Код |
| И. констр. | Платинин | | | Изм. Лист | № докум. | Код |
| Утв. | Заводской | | | Изм. Лист | № докум. | Код |

ИЗМ. Лист

Поперечина

| Лист | Масштаб | Масштаб |
|-----------------------------|---------|---------|
| 2,38 | 1:2 | |
| Лист | Листов | |
| 1 | 1 | |
| СОЮЗГНПРОВОДТОЗ | | |
| ИМЕНИ Е.Е. АЛЕКСАНДРОВСКОГО | | |
| г. Москва | | |

Копирован: Чубовича

18984-03 Формат А3

Госстрой СССР
ЦЕНТРАЛЬНЫЙ ИНСТИТУТ ТИПОВОГО ПРОЕКТИРОВАНИЯ
Свердловский филиал
620062, г.Свердловск-62, ул.Чебышева, 4
Заказ № 1675 Инв. № 18984-03 тираж 120
Сдано в печать 25.05 1984г цена 1-22